दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 226 ■ दमण, गुरुवार 28, मई 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दमण पुलिस का अभियान: तेरा तुझको अर्पण

दमण पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल से 70 खोए मोबाइल फोन बरामद कर नागरिकों को सौंपे: डिजिटल पुलिसिंग में बड़ी उपलब्धि

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 मई।

दमण पुलिस ने डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग करते हुए पिछले 25 दिनों में कुल 70 खोए/चोरी हुए मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए हैं। यह उपलब्धि सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल, जो कि दूरसंचार विभाग, भारत सरकार द्वारा विकसित किया गया है, के माध्यम से हासिल हुई। सीईआईआर प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से पुलिस मोबाइल फोन को तकनीकी रूप से ब्लैकलिस्ट कर तुरंत ब्लॉक कर सकती है। इससे मोबाइल का दुरुपयोग रोका जा सकता है और शीघ्र बरामदगी सुनिश्चित होती है। दमण पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में मोबाइल रिकवरी स्पेशल टीम का गठन किया गया। इस टीम में TAC Cell, Daman के सदस्य तथा जिले के पाँचों पुलिस स्टेशनों से 2-2 स्टाफ शामिल किए गए। इस टीम ने सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर व्यापक कार्रवाई की और अथक परिश्रम एवं समन्वय से विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस अधीक्षक दमण ने बताया कि यह विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और दमण की जनता को इससे और अधिक सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। दमण पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि वे अपने मोबाइल का IMEI नंबर (*#06# डायल कर या मोबाइल बॉक्स पर देखकर) सुरक्षित रखें। यदि मोबाइल फोन खो जाए तो तुरंत नज़दीकी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करें और सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत दमण कलेक्ट्रेट कॉन्फ्रेंस हॉल में राजनीतिक दलों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 मई। आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत दमण-दीव संसदीय क्षेत्र में आज दोपहर 1 बजे मोटी दमण कलेक्ट्रेट कॉन्फ्रेंस हॉल में राजनीतिक दलों, उनके प्रतिनिधियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जनप्रतिनिधियों तथा जिला पंचायत एवं दमण नगरपालिका के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, जिला पंचायत के सदस्य, काउंसिलरों तथा ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने भाग लिया। बैठक के दौरान उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित निर्धारित कार्यक्रम एवं गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गई। बैठक में जिले में संचालित किए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार एसआईआर हेतु अर्हता तिथि 01/07/2026 निर्धारित की गई है। बूथ स्तर अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर गणना कार्य 04/06/2026 से 03/07/2026 तक किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 10/07/2026 को किया जाएगा। दावा एवं आपत्तियाँ प्रस्तुत करने की अवधि 10/07/2026 से 09/08/2026 तक निर्धारित की गई है, जबकि दावा एवं आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया 10/07/2026 से 07/09/2026 तक पूर्ण की जाएगी। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 11/09/2026 को किया जाएगा।जनप्रतिनिधियों से अपील की गई कि वे मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन, विलोपन एवं विवरण अद्यतन कराने हेतु नागरिकों को जागरूक करने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें, ताकि त्रुटिरहित एवं अद्यतन मतदाता सूची तैयार की जा सके। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (सामान्य)/ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, दमन ने भी प्रतिभागियों को दावा एवं आपत्तियाँ प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, बूथ स्तर अधिकारियों की भूमिका तथा पारदर्शी एवं समावेशी मतदाता सूची बनाए रखने में जनभागीदारी के महत्व के बारे में अवगत कराया। बैठक में उठाए गए सुझावों का भी संबंधित निर्वाचन अधिकारियों द्वारा समाधान किया गया।यह बैठक एसआईआर गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निर्वाचन हितधारकों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने तथा जमीनी स्तर पर सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग के माध्यम से एक सुचारु, समावेशी एवं सटीक मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

दमण प्रशासन, निर्वाचन विभाग ने एसआईआर जागरूकता कार्यक्रम का किया शुभारंभ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 मई। जिला निर्वाचन अधिकारी /कलेक्टर, दमण के दिशानिर्देश एवं मार्गदर्शन के तहत निर्वाचन कार्यालय दमण द्वारा एसआईआर स्वीप टीम ने अपनी पहली जागरूकता गतिविधि 27 मई 2026 से जागरूकता सत्र का आरंभ किया। दमण प्रशासन, निर्वाचन विभाग, एसआईआर टीम द्वारा आज दामिनी वुमेंस फाउंडेशन की अध्यक्षा सिंपल कटेला के सहयोग से दामिनी वुमेंस फाउंडेशन कार्यालय दमण एवं दमण नगरपालिका की अध्यक्षा दीपिका टंडेल एवं वॉर्ड 3 की काउंसिलर रश्मि हलपति के सहयोग से कम्युनिटी हॉल खारावाड में मतदाता सूची अपडेट करने से संबंधित एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को सुचारू, पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से तैयार करना तथा नागरिकों को विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना था। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान निर्वाचन विभाग की एसआईआर स्वीप टीम द्वारा नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम संशोधन, स्थानांतरण तथा निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को एसआईआर कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए निर्देशों का पालन करने एवं यह जानकारी अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचाने हेतु प्रेरित किया गया। एसआईआर टीम ने सभी नागरिकों से सहयोग की अपील भी की। दमण के सभी मतदाताओं से अनुरोध किया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनका नाम वर्ष 2002 की पूर्व एसआईआर मतदाता सूची में दर्ज है या नहीं। यदि जानकारी उपलब्ध न हो, तो संबंधित मतदाता अपने क्षेत्र के बूथ स्तरीय अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं, निर्वाचन विभाग कार्यालय में जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं अथवा संबंधित वेबसाइट पर आवश्यक विवरण भरकर अपना नाम खोज सकते हैं। यदि पिछले एसआईआर-2002 की मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं मिलता है, तो मतदाताओं को अपने माता-पिता के नाम की पुष्टि करनी होगी। यदि माता-पिता के नाम की भी पुष्टि नहीं हो पाती है, तो संबंधित मतदाता को आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने होंगे और उन्हें अपने क्षेत्र के बीएलओ अथवा निर्वाचन विभाग दमण में जमा करना होगा। (समाचार का शेष पेज 8 पर)

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला: राशन व्यवस्था होगी हाईटेक

■ 80 करोड़ लोगों को सीधा लाभ पहुंचाने की तैयारी ■ 'सार्थक-पीडीएस' योजना को मंजूरी, डीलरों का बढ़ेगा कमीशन और राज्यों को मिलेगी आर्थिक सहायता

नई दिल्ली, (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बधुवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को लेकर बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने 'सार्थक-पीडीएस' योजना को मंजूरी दी है, जिसके तहत देश के करीब 80 करोड़ राशन लाभार्थियों को सीधे तौर पर फायदा मिलेगा। इस महत्वाकांक्षी योजना पर लगभग 25,530 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद जानकारी देते हुए बताया कि सरकार राशन वितरण प्रणाली को अधिक मजबूत, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत तीन बड़े बदलाव किए गए हैं, जिनसे राज्यों, राशन डीलरों और आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। कैबिनेट का पहला बड़ा फैसला राज्यों को आर्थिक सहायता देने से जुड़ा है। मंत्री ने बताया कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के बड़े गोदामों से अनाज को जिलों, ब्लॉकों और अंततः राशन दुकानों तक पहुंचाने में राज्य सरकारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब केंद्र सरकार इस परिवहन और वितरण व्यवस्था में राज्यों को वित्तीय मदद उपलब्ध कराएगी, जिससे राशन आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुचारु हो सकेगी। कैबिनेट का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय राशन डीलरों के कमीशन को बढ़ाने का है। लंबे समय से राशन दुकानदार अपने कमीशन में वृद्धि की मांग कर रहे थे। सरकार ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए कमीशन बढ़ाने का फैसला लिया है। इससे देशभर के लाखों राशन डीलरों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। कैबिनेट का तीसरा और सबसे अहम फैसला जो राशन व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का है। सरकार अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीकों की मदद से लाभार्थियों का पंजीकरण करेगी। इससे फर्जीवाड़े पर रोक लगाने, पारदर्शिता बढ़ाने और सही व्यक्ति तक राशन पहुंचाने में मदद मिलेगी। सरकार का मानना है कि डिजिटल और तकनीक आधारित व्यवस्था से पूरे पीडीएस नेटवर्क को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक के दौरान देश में जारी भीषण लू की स्थिति पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी मंत्रालयों और विभागों को ''पूरे राष्ट्र की भावना'' के साथ काम करने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य, जल संसाधन और अन्य विभागों द्वारा नागरिकों को राहत और सुरक्षा प्रदान करने के उपायों पर विशेष चर्चा की गई।

पलवल में भीषण गर्मी के बीच जल संकट गहराया, एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों में हाहाकार

एजेंसी

नोएडा। गर्मी बढ़ने के साथ ही शहर में जल संकट गहराने लगा है। शहर की एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों में पिछले कई दिनों से पानी की नियमित सप्लाई नहीं हो रही है। जिससे हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह से लेकर देर रात तक लोग पानी भरने के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं। कई क्षेत्रों में नलों से या तो बेहद कम पानी आ रहा है या फिर पूरी तरह सप्लाई ठप पड़ी है। वहीं कुछ कॉलोनियों में दूषित पानी की सप्लाई होने से लोगों में बीमारियों का डर भी बढ़ गया है। मजबूरी में लोगों को पीने के पानी के लिए टैंकरों और बाजार से पानी खरीदना पड़ रहा है। पेयजल संकट के कारण घरेलू कामकाज, बच्चों की पढ़ाई और दैनिक दिनचर्या

प्रभावित हो रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक शहर में प्रतिदिन 96 एमएलडी पानी की मांग है। वहीं, केवल 85 एमएलडी पानी की सप्लाई की जा रही है। यानी रोजाना करीब 11 एमएलडी पानी की कमी बनी हुई है। शहर में पानी की आपूर्ति के लिए करीब 80 ट्यूबवेल लगाए गए हैं, जिनमें 60 शहर के अंदर और 20 आगरा कैनाल के पास स्थित हैं। अवैध कनेक्शन के कारण लगातार भूजल दोहन हो रहा है। इसके कारण शहर का जलस्तर भी तेजी से नीचे खिसक रहा है। जिससे आने वाले समय में जल संकट और गहराने की आशंका बढ़ गई है। शहर के ऊंचाई वाले पुराने मोहल्लों में जल संकट गहराता जा रहा है। कई इलाकों में केवल 15 मिनट ही पानी की सप्लाई हो रही है, वह भी तय समय पर नहीं। ऊंचाई पर बसे खैलखुर्द, खैलकलां, ढेर मोहल्ला, कानूनगोयान, थाई मोहल्ला, बांस मोहल्ला और काजीवाड़ा समेत कई क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घरों में पीने तक का पानी नहीं पहुंच रहा है। कई परिवारों को शौचालय और घरेलू कामों के लिए भी पानी खरीदना पड़ रहा है। बांस मोहल्ला स्थित प्राइमरी स्कूल में पिछले एक सप्ताह से पानी नहीं पहुंचा है। स्कूल की टंकियां सूखी पड़ी हैं और बच्चों को पीने का पानी भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा। अध्यापकों ने अपने खर्च पर पानी की बोतलें मंगवाकर बच्चों की प्यास बुझाई। पानी की किल्लत शहर के दुकड़िया मोहल्ला, जैंदीपुरा, पैंठ मोहल्ला, संजय कॉलोनी, भाटिया कॉलोनी, गुप्तागंज कॉलोनी, पुरानी अनाज मंडी और माता वाला मोहल्ला सहित कई इलाकों में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। वहीं, कैंप कॉलोनी, जवाहर नगर, लक्खी विहार, शेखपुरा सहित कई इलाकों में दूषित पानी की सप्लाई की जा रही है। मौसम विभाग ने जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। नौतपा के कारण सड़कों और बाजारों में सन्नाटा पसरा हुआ है। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहा। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया। दोपहर तक लू के थपेड़ों ने हालात और खराब कर दिए। 29 मई तक जिले में गर्म और शुष्क मौसम बना रहेगा। गुरुवार तक तापमान 46 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। हालांकि 29 मई के बाद पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हल्की बारिश, तेज हवाएं और आंधी आने की संभावना जताई गई है, जिससे लोगों को कुछ राहत मिल सकती है। सबसे ज्यादा परेशानी दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालकों, डिलीवरी ब्वॉय और खुले में काम करने वाले लोगों को झेलनी पड़ी।

संक्षिप्त डायरी

नोएडा में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस:कल बारिश और आंधी से मिलेगी राहत

एजेंसी

नोएडा। नोएडा में जल्द मौसम बदलने वाला है। अधिकतम तापमान 45 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री तक रहेगा। शाम को धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। 28 और 29 मई को गरज के साथ बारिश और 50 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलेगी। इससे तापमान में कमी आएगी। 29 मई को तापमान में करीब 10 डिग्री तक गिरावट आ सकती है। यानी अधिकतम तापमान 35 डिग्री तक जाएगा। ऐसा मौसम 1 जून तक रहेगा। आईएमडी के मुताबिक एक जून को तापमान 38 डिग्री तक रहेगा। इसके बाद एक बार फिर तापमान में बढ़ोतरी होगी। जिससे लोगों को उमस के साथ गर्मी झेलनी पड़ेगी। दरअसल पहाड़ों पर एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस हुआ है। इसका असर मैदानी इलाकों में दिखेगा। जिससे यहां बारिश और आंधी तुफान आएगा। हालांकि 30 मई से 2 जून तक बारिश होगी। मौसम विभाग की ओर से वार्निंग जारी नहीं की गई। आज हीट वेव का अलर्ट बुधवार को हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। दोपहर बाद तापमान तेजी से बढ़ेगा। साथ ही लू और तेज गर्मी से लोगों को परेशानी होगी। नमी की मात्रा 27 प्रतिशत रहेगी। ऐसे में दोपहर 12 से शाम पांच बजे तक लोग घरों में रहे। बहुत जरुरी काम होने पर ही घर से बाहर निकले। पेड़ों को ढका गया नोएडा में तेज गर्मी के चलते महामाया फ्लाईओवर और सेक्टर-95 राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल के पास सड़क किनारे पेड़ों को ग्रीन शीट से ढक दिया गया है। ताकि गर्मी की मार से उनको बचाया जा सके। वहीं शहर में कई स्थानों पर लोगों के द्वारा पानी और छबील दी जा रही है। ताकि गर्मी से निपटा जा सके।

निक्की भाटी मौत मामले में 9 महीने बाद समझौता:पंचायत में बनी सहमति

एजेंसी

नोएडा। नोएडा के चर्चित निक्की भाटी मौत प्रकरण में करीब नौ महीने से चला आ रहा विवाद अब सुलझता नजर आ रहा है। पंचायत की मध्यस्थता में दोनों परिवारों के बीच समझौता हो गया है। कई दौर की बातचीत के बाद बच्चों के भविष्य और पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए यह सहमति बनी। समझौते के तहत निक्की भाटी की बहन कंचन अपने ससुराल वापस जाएंगी। इसके अलावा निक्की के बच्चों के नाम संपत्ति हस्तांतरित करने पर भी दोनों परिवारों के बीच सहमति बनी है। परिवार के लोगों का कहना है कि यह फैसला बच्चों के अधिकार सुरक्षित करने और उनका भविष्य बेहतर बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। अदालत में दाखिल होगा शपथ पत्र सूत्रों के मुताबिक, समझौते के बाद निक्की का परिवार अदालत में एफिडेविट दाखिल कर मामले को वापस लेने की कानूनी प्रक्रिया शुरू करेगा। बताया जा रहा है कि पंचायत में दोनों पक्षों के बुजुर्गों और समाज के गणमान्य लोगों के बीच लंबी चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया। संदिग्ध मौत के बाद सुर्खियों में आया था मामला गौरतलब है कि 21 अगस्त 2025 को ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में निक्की भाटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। घटना के बाद परिजनों ने गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके चलते मामला काफी चर्चा में रहा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू की थी और निक्की के पति विपिन भाटी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। इस मामले में निक्की की सास, ससुर और जेठ को भी गिरफ्तार किया गया था। हालांकि परिवार के अन्य सदस्य फिलहाल जमानत पर बाहर हैं, जबकि विपिन भाटी अभी भी जेल में बंद है। घटना के बाद से दोनों परिवारों के बीच लगातार तनाव बना हुआ था। अब पंचायत की पहल के बाद विवाद खत्म होने की दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है।

नोएडा में प्ले स्कूल संचालक ने फांसी लगाकर जान दी:कमरे में फंदे से लटका मिला, पत्नी बोली- मानसिक रूप से परेशान थे

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-66 स्थित मामूरा गांव के श्रमिक कुंज में प्ले स्कूल संचालक ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर फेज-तीन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, युवक मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। लखीमपुर खीरी के रहने वाले सोनू वाजपेई (26) पिछले एक साल से श्रमिक कुंज में किराए पर रह रहे थे। उनके साथ आरती नाम की महिला भी रहती थी। दोनों घर के एक कमरे में छोटे बच्चों के लिए प्ले स्कूल चलाते थे। सोमवार रात करीब 10:30 बजे सोनू घर के अंदर थे, जबकि आरती घर के बाहर आसपास के लोगों से बातचीत कर रही थी। कुछ देर बाद जब आरती घर के अंदर पहुंची तो सोनू कमरे में फंदे से लटके मिले। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। लोगों ने सोनू को नीचे उतारा, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को बुलाया। घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

नोएडा में 10 से 30 रुपए होगा सिटी बस किराया:100 ई-बसें चलेंगी, 10 डबल डेकर शामिल; मुख्य सड़कों से हटेंगे ई-रिक्शा

एजेंसी

नोएडा। नोएडा में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बेहतर बनाने की तैयारी तेज हो गई है। जून के पहले सप्ताह से ई-बसों का ट्रायल शुरू होगा, जबकि 15 जून तक अधिकांश बसों को सड़कों पर उतार दिया जाएगा। पहले चरण में कुल 100 ई-बसें चलाई जाएंगी। इनमें 10 डबल डेकर बसें शामिल होंगी, जबकि करीब 90 बसें 9 और 12 मीटर लंबाई की होंगी। दिल्ली, गाजियाबाद और जेवर एयरपोर्ट तक होगा रूट ई-बसों का रूट दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और जेवर एयरपोर्ट तक तय किया गया है। इसके लिए न्यूनतम किराया 10 रुपए और अधिकतम 30 रुपए रखा जाएगा। वहीं, मासिक पास के किराये को लेकर अभी मंथन चल रहा है। यात्री टिकट ऐप आधारित सिस्टम और मैन्युअल दोनों तरीके से ले सकेंगे। जिन रूटों पर सिटी बसों का संचालन होगा, वहां से ई-रिक्शा हटाए जाएंगे। जीएम एसपी सिंह ने बताया

कि अगले दो दिनों में एमओयू की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। पहले चरण में 300 स्टाफ की तैनाती पहले चरण में 100 बसों के संचालन के लिए करीब 300 कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी। इसमें ड्राइवर और कंडक्टर शामिल होंगे। अधिकारियों के अनुसार बसों के रूट लगभग फाइनल कर लिए गए हैं और दो से तीन दिनों में एमओयू साइन हो जाएगी। इसके बाद लोगों के लिए दिल्ली, जेवर एयरपोर्ट और नोएडा के अलग-अलग हिस्सों तक सफर आसान हो जाएगा। प्राथमिकता उन इलाकों को दी जा रही है, जहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा कम है या बिल्कुल नहीं है। 15 मिनट के अंतराल पर मिलेगी बस ई-बस सेवा शुरू होने से करीब 2 लाख लोगों को फायदा मिलने का अनुमान है। बसें 15-15 मिनट के अंतराल पर उपलब्ध रहेंगी। कुल 100 बसों के साथ 5 बसें स्टैंडबाय में रखी जाएंगी। 10 डबल डेकर बसें बॉटनिकल गार्डन से परी चौक तक चलाई जाएंगी। वहीं, 9 और 12 मीटर की बसें अलग-अलग रूटों पर संचालित होंगी। सेक्टर-90 में बनेगा आधुनिक बस डिपो सेक्टर-90 में बस डिपो, ई-चार्जिंग पॉइंट, बस सर्विस स्टेशन और ड्राइवर-कंडक्टर वर्कशॉप समेत सभी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इन बसों का संचालन उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम करेगा। प्राधिकरण की ओर से वीजीएफ (वायबिलिटी गैप फंडिंग) भी दी जाएगी। इसी के तहत न्यूनतम किराया 10 रुपए और अधिकतम 30 रुपए तय किया गया है। चार्जिंग स्टेशन की भी होगी व्यवस्था सेक्टर-90 बस डिपो में 20 चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे, जहां एक साथ 50 बसों को चार्ज किया जा सकेगा। इसके अलावा बॉटनिकल गार्डन बस स्टैंड पर 4 वैकल्पिक चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे, जहां 8 बसों की चार्जिंग की व्यवस्था होगी। मोरना बस डिपो में भी ई-चार्जिंग प्वाइंट तैयार किए जा चुके हैं।

ग्रेटर नोएडा में घर के बाहर खड़ी कारों में तोड़फोड़:सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

एजेंसी

नोएडा। नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी दो कारों में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि आधा दर्जन से अधिक युवकों ने लाठी-डंडों से हमला कर वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, यह घटना 25 मई को सूरजपुर कस्बे की शिव मंदिर वाली गली में हुई। पीड़ित की अपनी कार और पड़ोसी गजेंद्र थारी पुत्र सुभाष चंद की कार घर के सामने खड़ी थी। इसी दौरान रोकी, रौनक, अशोक और 8-9 अज्ञात लोग वहां पहुंचे और दोनों वाहनों में जमकर तोड़फोड़ की। घटना के पीछे वाहन खड़ा करने को लेकर पुराना विवाद बताया जा

रहा है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने पहले भी वाहन खड़ा करने को लेकर विवाद किया था और कुछ दिन पहले भी उनकी गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया था। घटना की सीसीटीवी फुटेज भी पीड़ित के पास मौजूद है। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। नोएडा पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि सूरजपुर थाना पुलिस द्वारा अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की है। पुलिस टीम साक्ष्य संकलन करते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आवश्यक कार्यवाही कर रही है।

ग्रेटर नोएडा में एनसीसी का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर; 600 कैडेट्स ले रहे हिस्सा

एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा 31 उ0 प्र0 कन्या वाहिनी एन०सी०सी० का दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर - 122, ऐस्टर पब्लिक स्कूल, नोयडा एक्सटेंशन, गौतम बुद्ध नगर में आयोजन किया जा रहा है जिसमे 600 एन0सी0सी0 कैडिट प्रतिभाग कर रहे है शिविर के दौरान कैम्प कमान्डेट मेजर प्रतिमा नागर के नेतृत्व मे तीसरे दिवस 27 मई 2026 बुद्धवार प्रातः काल व्यायाम एवं पी०टी० के साथ प्रारम्भ हुआ उसके उपरान्त प्रतिभागी एन०सी०सी० कैडिटों को शिविर में शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार की जानकारी, ड्रिल, मेप रीडिंग, फील्ड काफट, सिमुलेटर फायरिंग का प्रशिक्षण दिया गया एवं प्रतियोगी भावनाओं को विकसित करने के लिये सामूहिक गीत, एकल नृत्य, समूह गान, बास्केटबाल एवं खो खो प्रतियोगिताओं को भी

कराया गया शिविर का तीसरा दिन हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ ।

ग्रेटर नोएडा में मुठभेड़ में बदमाश गिरफ्तार:पैर में गोली लगने से घायल

एजेंसी

नोएडा। नोएडा में जारचा पुलिस और एक शातिर बदमाश के बीच देर रात मुठभेड़ हुई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना बुधवार देर रात बुलंदशहर बॉर्डर स्थित समाना नहर के पास हुई। जारचा पुलिस संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल आती दिखी। पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया, तो मोटरसाइकिल सवार ने खुद को घिरा देख पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस पूछताछ में घायल अभियुक्त की पहचान शहजाद (लगभग 30 वर्ष), निवासी ग्राम कलौंदा, थाना जारचा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद की है। जारचा कोतवाली प्रभारी कैलाश नाथ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शहजाद एक शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ पहले से ही दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उसके अन्य आपराधिक इतिहास और नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार, अब तक 13 गिरफ्तार

-एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर चला चुकी है तलाशी अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में गिरफ्तार लोगों की 13 हो गई है। सीबीआई के मुताबिक लातूर निवासी डॉक्टर मनोज शिरुरे को इस मामले में गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि उन्होंने कोचिंग सेंटर संचालक के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पी वी कुलकर्णी से रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस मामले में गिरफ्तार दूसरे आरोपी की पहचान तेजस हर्षदकुमार शाह के रूप में हुई है। वह पुणे स्थित डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल अकादमी में भौतिकी के फैकल्टी सदस्य हैं। सीबीआई के मुताबिक उन्हें नीट-यूजी 2026 परीक्षा का लीक हुआ भौतिकी का प्रश्नपत्र पहले से गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिला था। एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर तलाशी अभियान चला चुकी है। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की विस्तृत जांच की जा रही है। सीबीआई ने यह मामला 12 मई को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया था। शिकायत में नीट-यूजी 2026 परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की बात कही थी। सीबीआई के मुताबिक जांच में पता चला है कि परीक्षा से पहले रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भौतिक विज्ञान के प्रश्नपत्र प्रसारित किए गए थे। एजेंसी अब प्रश्नपत्र लीक के असली स्रोत और पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है। सीबीआई ने कहा है कि वह इस मामले की व्यापक, निष्पक्ष और पेशेवर तरीके से जांच करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिमाचल : पहाड़ दरकने से जाहलमा पुल टूटा, कार नदी में गिरी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिले लाहौल-स्पीति के उदयपुर में बिन बरसात ही कुदरत का भारी कहर देखने को मिला है। सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण तांदी-संसारी मार्ग पर लगातार हो रहे भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के कारण आखिरकार ऐतिहासिक जाहलमा पुल टूट कर नदी में समा गया है। बीते तीन दिनों से इस पुल के एक छोर पर पहाड़ी से लगातार भारी चट्टानें गिर रही थीं, जिसके चलते अब पुल का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह धराशाई हो गया है। इस आपदा के कारण उदयपुर का लाहौल के मुख्य केंद्र केलांग और मनाली से संपर्क पूरी तरह कट गया है। जाहलमा पुल के टूटने से घाटी के लोगों की मुश्किलें बेहद बढ़ गई हैं। अब यदि स्थानीय निवासियों या पर्यटकों को मनाली या शेष हिमाचल के अन्य हिस्सों में जाना है, तो उन्हें पांगी घाटी होते हुए खतरनाक साच पास को पार कर चंबा के रास्ते सफर करना होगा। इस वैकल्पिक मार्ग से यात्रा करने में लोगों को करीब दो दिन का अतिरिक्त समय लगेगा। इसी बीच लाहौल की मूलिंग घाटी से भी एक और दर्दनाक हादसे की खबर आई है, जहां बीती रात करीब 10 बजे अचानक पहाड़ी दरक गई। इस लैंडस्लाइड की चपेट में आकर एक चलती कार अनियंत्रित होकर सीधे उफनती नदी में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में केवल चालक ही सवार था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और मुस्तैद पुलिस बल ने तुरंत संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और कार सवार को सुरक्षित नदी से बाहर निकालकर केलांग अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मूलिंग में आए दिन लैंडस्लाइड होता रहता है, जिससे हर वक्त लोगों की जान पर खतरा मंडराता रहता है। इससे पहले मंगलवार को भी मूलिंग में भारी चट्टानें गिरने से लेह-मनाली नेशनल हाईवे घंटों बंद रहा था।

पूर्व सीएम विजयन के घर रेड करने पहुंचे ईडी अफसरों पर पत्थरबाजी

-विजयन के साथ ही उनकी बेटी के आवास पर भी छापेमारी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के बाहर निकलने के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। कन्नूर में पूर्व सीएम विजयन के घर पर ईडी की छापेमारी खत्म होने के बाद जांच अधिकारी बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए ईडी अधिकारियों से सवाल पूछने लगे, जिससे गेट पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। लेकिन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा। काफी देर तक धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, इसके बाद सुरक्षाकर्मियों की मदद से अधिकारियों को बाहर निकाला गया। बात दें कि ईडी की कार्रवाई ने केरल की राजनीति में सियासी घमासान तेज किया है। सीपीआई(एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने मोदी सरकार और ईडी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक मकसद से प्रेरित है और विपक्षी नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। सीपीआई(एम) के महासचिव बेबी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि ट्रायल कोर्ट ने उन्हें राहत दी। उन्होंने दावा किया कि ईडी अब एक स्वतंत्र एजेंसी के बजाय भाजपा सरकार की राजनीतिक मशीनरी बन गई है, जिसका इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने और राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए हो रहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को केरल में कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री विजयन और उनकी बेटी वीणा के आवास भी शामिल थे। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है, जिसमें विजयन की बेटी की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस का नाम सामने आया है। यह मामला कोच्चि स्थित कोच्चि मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित अवैध भुगतानों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। ईडी की छापेमारी का मुख्य आधार अप्रैल 2025 में सीरियस फॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) द्वारा दायर चार्जशीट है। एसएफआईओ ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस पर आरोप लगाया है कि उसने 2018-19 से तीन वर्षों तक सीएमआरएल से बिना कोई सेवा दिए अवैध भुगतान प्राप्त हुए थे। 2017 में एक्सालॉजिक और सीएमआरएल के बीच सॉफ्टवेयर और मार्केटिंग सेवाओं के लिए अनुबंध हुआ था, लेकिन जांच में पाया गया कि निर्धारित सेवाएं प्रदान नहीं की गईं। इस कथित वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा सबसे पहले 2019 में आयकर विभाग की सीएमआरएल परिसरों पर हुई छापेमारी के दौरान हुआ था, जिसकी रिपोर्ट में संदिग्ध भुगतानों का उल्लेख था। जनवरी 2024 में केंद्र ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस, सीएमआरएल और केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम (केएसआईडीसी) से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए एसएफआईओ को आदेश दिए थे।

ममता ने सनातन को कहा था गंदा धर्म ? अब वकील ने कराया मामला दर्ज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सिलीगुड़ी में एक स्थानीय वकील की शिकायत के आधार पर पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ गंभीर धाराओं में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ममता बनर्जी ने पिछले साल कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर आयोजित ईद-उल-फितर के एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिससे करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। इस शिकायत के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(1) (आपराधिक धमकी), धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर किया गया अपमान) और धारा 353 (विभिन्न समुदायों के बीच दुश्मनी और नफरत को बढ़ावा देना) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह मामला वकील रिंकी चटर्जी द्वारा दर्ज कराया गया है, जिन्होंने साल 2025 में ईद के मंच से दिए गए ममता बनर्जी के भाषण का हवाला दिया है।

आरोप है कि उस कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि वह उस गंदे धर्म को नहीं मानतीं जिसे विपक्षी दल ने जानबूझकर गढ़ा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि एक सार्वजनिक और मुस्लिम धार्मिक सभा के मंच से इस तरह की टिप्पणी करना पूरी तरह से अनुचित है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि टीएमसी के कई वरिष्ठ नेताओं ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार सनातन धर्म को निशाना बनाया है और वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी हिंदू समुदाय को परोक्ष रूप से धमकी दी गई थी। इससे पहले विपक्षी दलों ने भी इस बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर इसकी तीखी आलोचना की थी और इसे बहुसंख्यक समाज की आस्था का अपमान बताया था।

इस कानूनी कार्रवाई और एफआईआर के बाद तृणमूल कांग्रेस रक्षात्मक मुद्रा में नजर आ रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले को लेकर अब पार्टी के भीतर से ही विरोध के सुर उठने लगे हैं। टीएमसी की दार्जिलिंग इकाई के महासचिव और पेशे से वकील अत्री शर्मा ने व्यक्तिगत तौर पर एक बड़ा बयान देते हुए स्वीकार किया है कि जब पार्टी सत्ता में थी, तब भी संगठन के भीतर कई लोग इस प्रकार के बयानों के खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि शीर्ष पद पर रहते हुए इस तरह की टिप्पणी करना वास्तव में अनुचित था और पार्टी के प्रति वफादार रहने वाले कार्यकर्ताओं ने भी कभी ऐसी विवादास्पद टिप्पणियों का समर्थन नहीं किया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि देश के हर नागरिक को ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज कराने का नैतिक अधिकार है। इस आंतरिक विरोध ने पूर्व मुख्यमंत्री की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

आसाराम की उम्रकैद बरकरार, हाईकोर्ट ने कहा- तत्काल सरेंडर करें

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम को बड़ी राहत देने से इनकार करते हुए उनकी आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। हालांकि, अदालत ने उन्हें गैंगरेप (सामूहिक दुष्कर्म) के आरोप से बरी कर दिया है, लेकिन अन्य गंभीर आरोपों में उनकी दोषसिद्धि और सजा को यथावत रखा गया है। इसके साथ ही वर्तमान में पैरोल पर बाहर चल रहे आसाराम को अदालत ने तुरंत सरेंडर करने का भी आदेश दिया है। यह अहम फैसला राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ में जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने सुनाया। कोर्ट ने आसाराम सहित तीन आरोपियों की ओर से दायर अपीलों पर सुनवाई पूरी करते हुए स्पष्ट किया कि नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर माना कि गैंगरेप की धारा के तहत दोष सिद्ध नहीं होता, इसलिए उन्हें उस विशेष आरोप से राहत दी गई, लेकिन अन्य सभी आरोप पर्याप्त रूप से साबित होते हैं। इसी वजह से उनकी मुख्य सजा बरकरार रहेगी। इस मामले के दो अन्य सह-आरोपियों, शिल्पी और शरतचंद को अदालत से आंशिक राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनकी अपीलों पर फैसला सुनाते हुए उनके खिलाफ दर्ज कुछ धाराओं में राहत प्रदान की है, जबकि शेष मामलों में निचली अदालत का आदेश यथावत रखा गया है। यह बहुचर्चित मामला वर्ष 2013 का है, जब जोधपुर स्थित आश्रम में एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में आसाराम के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस जांच और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद, वर्ष 2018 में विशेष अदालत ने आसाराम को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले को आसाराम की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जहां से अब उनकी मुख्य सजा को बरकरार रखते हुए उन्हें वापस जेल भेजने का आदेश जारी किया गया है।

भारत में इबोला ने दी दस्तक, युगांडा से बेंगलुरु आई महिला मिली पॉजिटिव

- प्रशासन अलर्ट, किया क्वारंटीन

बेंगलुरु (एजेंसी)। अफ्रीकी देशों में कहर ढाने वाले खतरनाक इबोला वायरस की आहट भारत में भी महसूस की जा रही है। युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला वायरस जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने के बाद उसे बेंगलुरु की एक मेडिकल फैसिलिटी में क्वारंटीन कर दिया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, मृत्यु दर के मामले में यह वायरस कोरोना वायरस से कहीं ज्यादा खतरनाक है। संक्रमित मामलों में इस वायरस की मृत्यु दर 50 से 90 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसके कारण इसे बेहद घातक माना जाता है। इससे पहले डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और दक्षिणी सूडान जैसे देशों में इस वायरस की वजह से 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और एक हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं।

इबोला एक बेहद संक्रामक और जानलेवा वायरल बीमारी है, जिसके कारण मरीज को गंभीर रक्तस्राव (हेमोरेजिक बुखार) हो सकता है और शरीर के महत्वपूर्ण अंग तक खराब हो सकते हैं। यह वायरस किसी संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों, जैसे खून, लार या पसीने के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। वर्तमान में इसकी कोई पुख्ता दवा या टीका उपलब्ध नहीं होने के कारण यह संक्रमण अत्यधिक जानलेवा साबित होता है। कांगो में इसकी भयावह स्थिति को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहले ही इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर रखा है। कांगो के इटुरी प्रांत में हिंसक संघर्षों के कारण इस बीमारी की शुरुआती पहचान करना और मुश्किल हो गया है। बेंगलुरु में संदिग्ध मामला सामने आने के बाद भारत सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित देशों की अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह जारी की है। देश में सुरक्षा और तैयारियों की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठकें की गई हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भी सभी एयरलाइंस के लिए एक सख्त स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) और गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत विमानन कंपनियों को उड़ान के दौरान आवश्यक घोषणाएं करने तथा प्रभावित देशों से आने वाले या वहां से ट्रांजिट करने वाले यात्रियों से अनिवार्य रूप से सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म भरवाने के निर्देश दिए गए हैं। देश के हवाई अड्डों और स्वास्थ्य केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि इस खतरनाक वायरस को भारत में फैलने से समय रहते रोका जा सके।

जुबीन गर्ग मौत मामला: कोर्ट ने 4 आरोपियों पर तय किए हत्या के आरोप

-अब दर्ज होंगे सभी गवाहों के बयान

गुवाहाटी(एजेंसी)। असमिया गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में एक बड़ा मोड़ सामने आया है। गुवाहाटी की एक फास्ट-ट्रैक अदालत ने इस मामले में सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में आरोप तय किए हैं, जिनमें से चार मुख्य आरोपियों पर सीधे तौर पर हत्या का आरोप लगाया गया है। यह न्यायिक कार्रवाई उस घटना के ठीक दो महीने बाद हुई है, जब सिंगापुर की एक अदालत ने जुबीन गर्ग की मौत को महज एक दुर्घटनावश डूबने का मामला करार दिया था और किसी भी तरह की आपराधिक साजिश से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि, भारत में जिला और सत्र अदालत की जज शर्मिला भुयान की कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को विस्तार से सुनने और असम सीआईडी द्वारा गठित विशेष जांच दल की चार्जशीट का गहन परीक्षण करने के बाद भारतीय न्याय संहिता की 10 अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप तय करने का फैसला सुनाया।

अदालत द्वारा तय किए गए इन आरोपों में सामान्य इरादा, आपराधिक साजिश, हत्या, गैर-इरादतन हत्या, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और सबूत मिटाने से जुड़े

बेहद गंभीर कानूनी प्रावधान शामिल हैं। इस बड़े फैसले के बाद अब इस हाई-प्रोफाइल मामले की पूरी कानूनी सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। मामले में सबसे गंभीर आरोप भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का है, जो चार प्रमुख आरोपियों-सिद्धार्थ शर्मा, श्याम काणु महंता, शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रवा महंता पर लगाया गया है।

न्यायालय के दस्तावेजों के अनुसार, इन चारों मुख्य आरोपियों पर संयुक्त रूप से अपराध करने, आपराधिक साजिश रचने और हत्या की धाराओं के तहत मामला चलेगा। इसके अलावा, श्याम काणु महंता पर जबरन वसूली (धारा 308(2)), धोखाधड़ी व बेईमानी से प्रेरित करने (धारा 318(4)) और सबूत गायब करने (धारा 238) के अतिरिक्त आरोप भी लगाए गए हैं। वहीं, सिद्धार्थ शर्मा और शेखर ज्योति गोस्वामी पर अतिरिक्त रूप से विश्वासघात की धारा 316(5) लगाई गई है, जबकि अमृत प्रवा महंता पर भी धारा 238 के तहत सबूत मिटाने का आरोप दर्ज किया गया है।

इस मामले के अन्य आरोपियों में दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के चचेरे भाई और पूर्व असम पुलिस अधिकारी संदीपन गर्ग शामिल हैं, जिन पर धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) के तहत आरोप तय किए गए हैं। इसके साथ ही, गायक के दो पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड्स-परेश बैश्य और नंदेश्वर बोरा पर धारा 61(2) और 316(5) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इस संबंध में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का कहना है कि अब ट्रायल के दौरान अदालत में हर एक धारा की प्रासंगिकता और घटना में प्रत्येक आरोपी की वास्तविक भूमिका की गहनता से जांच की जाएगी। गौरतलब है कि मशहूर गायक जुबीन गर्ग की मौत पिछले साल 19 सितंबर को सिंगापुर में लाजारस आइलैंड के पास एक निजी यॉट ट्रिप के दौरान रहस्यमयी परिस्थितियों में हुई थी। इस दुखद घटना के बाद पूरे असम में शोक की लहर दौड़ गई थी और उनकी मौत की परिस्थितियों को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया था। सार्वजनिक आक्रोश और संदेह को देखते हुए असम सरकार ने मामले की गहराई से जांच के लिए तत्काल एक एसआईटी का गठन किया था। खुद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सार्वजनिक रूप से इस घटना को साफ-साफ हत्या करार देते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए थे, जिसके बाद अब कोर्ट ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है।

खड़गे का महंगाई पर तीखा वार- मोदी सरकार की प्रायोजित मंहगाई से जनता के पसीने छूट रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में बढ़ती महंगाई और ईंधन की आसमान छूती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने अपनी भड़ास निकालते हुए लिखा, भाजपा प्रायोजित महंगाई की आग से आम जनता के पसीने छूट रहे हैं। अपनी सरकार की बेहिसाब लूट पर भी कभी कुछ बोलिए, पीएम मोदी जी? उनके बयान को केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और विशेषकर पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों पर एक सीधा राजनीतिक प्रहार बताया जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बयान तब आया है, जब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई चरणों में लगातार बढ़ रही हैं। कांग्रेस का आरोप रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अपेक्षाकृत स्थिरता के बावजूद, आम जनता को ईंधन की कीमतों में कोई राहत नहीं दी जा रही है। बल्कि, मोदी सरकार ईंधन पर भारी टैक्स लगाकर जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है, इस को कांग्रेस फ्यूल लूट का नाम दे रही है। पार्टी नेताओं ने हाल के दिनों में ÷फ्यूल लूट÷ और ÷महंगाई÷ को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना मोर्चा तेज किया है। कांग्रेस नेता खड़गे का पोस्ट सिर्फ पेट्रोल-डीजल की कीमतों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा इशारा रसोई, परिवहन व्यवस्था, कृषि

क्षेत्र और छोटे कारोबार पर पड़ने वाले व्यापक असर की ओर है। कांग्रेस का कहना है कि ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ती है, जिससे हर जरूरी वस्तु की कीमत में इजाफा होता है। इस बढ़ोतरी का अंतिम बोझ अंततः आम उपभोक्ता पर पड़ता है, जिससे उसकी जेब और तंग होती जाती है। यह मुद्दा अब भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव का बड़ा केंद्र बिंदु बनता जा रहा है। जहां कांग्रेस इस फेल नीति को जनता की कमाई पर सीधा हमला बताकर मोदी सरकार को घेर रही है, वहीं सत्ताधारी भाजपा विपक्ष पर गैर-जरूरी मुद्दों पर राजनीति करने का आरोप लगा रही है। इस तरह, बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतें आने वाले दिनों में भी राजनीतिक बहस का गरमागरम विषय बनी रहेंगी, खासकर जब देश में चुनावी माहौल बना हुआ है।

सीएम सुक्खू की दो टूक कहा- वो करें तो पुण्य हम करें तो पाप

-पंचायत चुनाव पर हो रही सियासत

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में जारी पंचायत चुनावों के बीच राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर बेहद तेज हो गया है। राज्य की कांग्रेस सरकार पर भाजपा द्वारा लगाए गए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों, मुख्य सचिव की नियुक्ति और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के मुद्दों पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कड़ा रुख अपनाते हुए विपक्ष पर जोरदार पलटवार किया है। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष की कथनी और करनी में हमेशा से ही बड़ा अंतर रहा है। वे करें तो पुण्य हम करें तो पाप। संजय गुप्ता को कार्यवाहक मुख्य सचिव से नियमित मुख्य सचिव बनाए जाने के प्रशासनिक फैसले पर भी मुख्यमंत्री ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा की सोच अब आप करें तो पुण्य और हम करें तो पाप जैसी हो गई है। प्रशासनिक नियुक्तियां पूरी तरह से मौजूदा सरकार का अधिकार क्षेत्र हैं और हर रूटीन फैसले को राजनीतिक रंग देना कतई उचित नहीं है। इसके अलावा, पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर भी मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने याद दिलाया कि जब विधानसभा में अनाथों और विधवाओं के कल्याण के लिए सेस (उपकर) बढ़ाने का मुद्दा आया था, तब भाजपा ने उसका पुरजोर विरोध किया था, लेकिन आज वही भाजपा केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाई गई तेल की कीमतों पर पूरी तरह मौन है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केवल 11 दिनों के भीतर पेट्रोल-डीजल के दाम करीब 7 रुपये तक बढ़ा दिए गए, जिससे आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा है। दूसरी तरफ, व्यापारियों को राहत देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इंस्पेक्टर राज को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में काम कर रही है और अब दुकानदार अपनी इच्छा से 24 घंटे दुकानें खोल सकते हैं, बशर्ते श्रमिकों को उनका उचित मेहनताना मिले। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पंचायत चुनाव के पहले चरण में जनता की भारी भागीदारी पर गहरा संतोष व्यक्त किया। कैबिनेट बैठक को लेकर विपक्ष के घेराव पर मुख्यमंत्री ने साफ किया कि पंचायत चुनावों के दौरान कैबिनेट बैठकें होना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने प्रदेश के राजनीतिक इतिहास और पूर्व की सरकारों का उदाहरण देते हुए कहा कि वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल और जय राम ठाकुर के कार्यकाल में भी चुनावी माहौल के दौरान कैबिनेट बैठकों का आयोजन होता रहा है। ऐसे में भाजपा का मौजूदा विरोध केवल सस्ती राजनीतिक बयानबाजी के अलावा और कुछ नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हाल ही में आयोजित कैबिनेट बैठक में आम जनता से जुड़े बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे, जिन पर बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए समय पर निर्णय लेना अनिवार्य था। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि आदर्श आचार संहिता का सम्मान करते हुए इस बैठक की आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग चुनाव परिणाम आने के अगले दिन यानी 1 जून को ही की जाएगी।

यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाने सरकार बना रही खास प्लान

-प्रस्ताव मुख्य सचिव को भेजा, मंजूरी मिलते ही योजना को मिलेगी गति

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी सरकार मानसून में यमुना नदी के बढ़े हुए जल स्तर का सदुपयोग करना चाहती है, इसलिए एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार कर रही है। इसके तहत यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाया जाएगा। इसका उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्र में जल संकट को कम करना और भूजल स्तर को बढ़ाना है। सिंचाई विभाग ने इस योजना के लिए अध्ययन कर लिया है। प्रस्ताव सिंचाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पास भेजा गया है। उन्होंने सकारात्मक रुख अपनाया है। अब प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद योजना को गति मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंचाई विभाग की ओर से इस परियोजना पर काम किया जाएगा। ददसिया गांव के पास से नदी बहती है। यहीं से तिलपत फायरिंग रेंज होते हुए बढ़े हुए जल स्तर को पाइपों के जरिए आगे ले जाया जाएगा। यह पाइप लाइन बुढ़िया नाले के किनारे से होते हुए हाईवे को पार करेगी और अनंगपुर गांव के पास पहाड़ी तक ले जाई जाएगी। इस पाइप लाइन से प्रतिदिन 300 क्यूसेक पानी जाएगा। मानसून के तीन महीने में नदी में खूब पानी होता है। इसलिए 90 दिन तक तय कृत्रिम तालाबों को भरा जाएगा। इन तालाबों का पानी साफ कर आसपास के सेक्टर, कालोनी, सोसायटी व गांव तक पहुंचाया जाएगा। इस परियोजना की लागत करीब 500 करोड़ आंकी गई है। यदि यह योजना परवान चढ़ती है तो आने वाले 50 साल तक गुरुग्राम को भी लाभ पहुंचेगा। इस योजना से आसपास के गांव के भूजल स्तर पर भी सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है। साथ ही आसपास के इलाकों को भरपूर पेयजल भी मिलता रहेगा। भूजल स्तर के मामले में फरीदाबाद डार्क जोन में है। यमुना नदी किनारे भी 80 से 100 फुट पर जल स्तर है। पहाड़ी इलाकों में तो यह जल स्तर 600 से 700 फुट तक है। हालात चिंताजनक हैं। इसलिए सरकार भूजल स्तर बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत नदी के पानी को अरावली तक ले जाने की तैयारी है।

पर्यावरण चिंतन- बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

योगेश कुमार गोयल

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे।

आग उगलता आसमान और हीट वेव की गिरफ्त में भारत...

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब

हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

बहरहाल, अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है, वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है, जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है। आईएलओ की रिपोर्ट में भीषण गर्मी तथा लू के कारण 2030 तक दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को 4.2 ट्रिलियन डॉलर की क्षति का अनुमान लगाया गया है। भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फ्रेडरिक ओटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा, तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

संपादकीय

न्यायसंगत आरक्षण

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है। वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दशार्ता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग-अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं।

चिंतन-मनन

मूर्तिकार का सपना

एक मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के नीचे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे तराशने लगा। वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ के नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने रास्ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा है। जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ -फोड़ कर देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने के बारे में सोचने लगा। उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल लेते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है। पर जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता।

शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार गोवंश

निर्मल रानी

भाजपा शासित राजस्थान में जैसलमेर में घटी एक अत्यंत संवेदनशील घटना ने देश के गौ भक्त समाज को झकझोर कर रख दिया। यहां के डंपिंग यार्ड में 500 से अधिक गायों के सड़े-गले शव और हड्डियां खुले में बिखरे हुए मिले पाये गये। इस जगह का दृश्य इतना भयावह व भीषण दुर्गंध पूर्ण था कि स्थानीय लोग और गौ-प्रेमी स्वभाविक रूप से इसे देखकर क्रोधित व विचलित हो गए। बताया जाता है कि इनमें से कई गायों की मौत जहरीला कचरा या पॉलीथिन खाने से हुई। जबकि इनमें बड़ी संख्या में ऐसी गायों के शव भी थे जिन्हें मृत पशुओं का निस्तारण करने वाले ठेकेदार ने इसी डंपिंग यार्ड में लाकर फेंक दिया था। भक्ति के नाम पर लोगों की हत्या स्वीकार्य नहीं है।किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का हक नहीं है। उन्होंने असली गोरक्षकों को सलाह दी थी कि उन्हें गायों को प्लास्टिक खाने से बचाने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि कटने से ज्यादा गायें प्लास्टिक और कचरा खाने से मरती हैं।

गाय को लेकर बने देश के इसी तनावपूर्ण वातावरण में देश के मुस्लिम समाज ने उच्च स्तर पर कहीं फतवों से तो कहीं दिशा निर्देश जारी कर भारत के मुसलमानों को यह हिदायत जारी की है कि वे गाय की हत्या व गोमांस भक्षण यदि कहीं किया जा रहा है तो उससे पूरी तरह बाज आयें। यहाँ तक कि देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर अनेक प्रमुख मुस्लिम उलेमाओं और संगठनों ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की वकालत की है। इनके अनुसार ऐसा करने से देश में नफरत और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी, और बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान होगा। कई इस्लामी विद्वानों और मौलानाओं का तो स्पष्ट मत है कि इस्लाम में गौ मांस खाने को सख़्ती से मना किया गया है। पैगंबर मोहम्मद साहब के कथनों का हवाला देते हुए मौलानाओं द्वारा यह बताया गया है कि गाय के मांस में बीमारी है और उसके दूध में शिफा अर्थात राहत है। अनेक मुस्लिम संगठनों ने भी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई है, ताकि गाय को लेकर होने वाली सांप्रदायिक राजनीति पर पूर्ण विराम लग सके।

परन्तु हिंदूवादी संगठनों द्वारा गौ हत्या को लेकर केवल मुसलमानों पर निशाना साधने वालों को इसी सिक्के के दूसरे पहलू को समझना भी जरूरी है। इस सन्दर्भ में पिछले दिनों हुए असम चुनावों के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का वह बयान काबिल - ए -गौर है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार लोगों के घर के अंदर गोमांस खाने अर्थात निजी खान-पान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती। उन्हें इसे खाने से कोई मनाही नहीं है, लेकिन इसे सार्वजनिक तौर पर खाने के बजाय अपने घरों के अंदर खाना चाहिए। लेकिन सार्वजनिक रूप से या धार्मिक स्थलों के आसपास इसका सेवन कानूनन और सामाजिक भावनाओं के खिलाफ है। सवाल यह है कि जब गोवध होगा तभी तो गोमांस घरों में भी खाया जा सकेगा ? दूसरे यह कि केवल मुसलमान ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों व जातियों के लोगों द्वारा भी बड़ी संख्या में गौमांस भक्षण किया जाता है तभी वोट बैंक के मद्देनजर यह बयान मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया।

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए। आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है।

पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को 'निरस्त्र' करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे।

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा।

इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए। साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं। सत्य और असत्य का अंतर मिटने लगा है। यह सूचना तंत्र और लोकतंत्र दोनों के लिए गंभीर संकट है। एआई का एक और चिंताजनक पक्ष है-मानवीय नियंत्रण का कमजोर पड़ना। वैज्ञानिक समुदाय का एक वर्ग मानता है कि भविष्य में ऐसी बुद्धिमत्ता विकसित हो सकती है जो मनुष्य की क्षमता से कई गुना आगे निकल जाए। यदि ऐसा हुआ तो नियंत्रण का प्रश्न सबसे बड़ा संकट बनेगा। यह केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न होगा।

भारत के लिए यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण है। भारत युवा शक्ति, विशाल जनसंख्या और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था वाला देश है। यदि एआई को बिना स्पष्ट नीति और नियंत्रण के बढ़ने दिया गया तो रोजगार, शिक्षा और सामाजिक संरचना पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। भारत को विकास और नियंत्रण दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। एआई को रोकना समाधान नहीं है, लेकिन इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के अधीन रखना अनिवार्य है। भारत को ऐसी राष्ट्रीय नीति बनानी होगी जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग मानव कल्याण, शिक्षा, चिकित्सा और आर्थिक विकास के लिए हो, लेकिन रोजगार संरक्षण, डेटा सुरक्षा, नैतिक मानदंड और युद्ध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही वैश्विक स्तर पर भी एआई के उपयोग हेतु साझा नियम और अंतरराष्ट्रीय संधियां आवश्यक हैं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न तकनीक का नहीं, मानवता का है। क्या मनुष्य अपनी बनाई हुई शक्ति पर नियंत्रण बनाए रख सकेगा? क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को समृद्ध बनाएगी या उसे नियंत्रित करेगी? क्या विकास संवेदनाओं से बड़ा हो जाएगा? क्या एआई रूपी विस्फोट मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी? यही वे प्रश्न हैं जिन पर दुनिया को गंभीर चिंतन करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दिशा यदि मानवता केंद्रित रही तो यह सभ्यता को नई ऊंचाइयां दे सकती है, लेकिन यदि यह शक्ति नियंत्रण और नैतिकता से मुक्त हो गई तो यह मानव इतिहास के सबसे बड़े संकट एवं महाविनाश का कारण भी बन सकती है। इसलिए आज आवश्यकता तकनीकी प्रगति की नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण प्रगति की है-जहां मशीनें विकसित हों, किंतु मानवता सर्वोच्च बनी रहे।

संक्षिप्त समाचार

रूबियो ने रूस के विदेश मंत्री से की बात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच सोमवार को फोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध, द्विपक्षीय संबंधों और ईरान की स्थिति पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि बातचीत का अनुरोध रूस की ओर से किया गया था। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार लावरोव ने कीव में यूक्रेनी सेना से जुड़े ठिकानों पर हमले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई रूस के अंदर नागरिक इलाकों पर हो रहे कथित हमलों के जवाब में की गई। लावरोव ने अमेरिका समेत अन्य देशों से कीव में मौजूद अपने राजनयिकों और नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने को भी कहा।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

अमेजन संरक्षण के लिए ब्राजील का बड़ा निवेश

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील सरकार ने अमेजन वर्षावन क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए 3.1 अरब रियाल यानी करीब 617.5 मिलियन डॉलर निवेश करने की घोषणा की है। यह राशि इको इन्वेस्ट कार्यक्रम के तहत दी जाएगी, जिसका उद्देश्य जैव अर्थव्यवस्था, सतत पर्यटन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। सरकार के अनुसार निजी और विदेशी निवेशकों की मदद से परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार का कहना है कि यह पहल 2050 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने और अमेजन में वनों की कटाई रोकने में मदद करेगी।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

पाकिस्तान के आयोग ने बढ़ती असुरक्षा पर दी गंभीर चेतावनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान में लगातार हमलों, अपहरणों व हिंसक घटनाओं से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता जताई। उसने सोमवार को गंभीर चेतावनी दी कि यदि देश में बढ़ रहे हमले शीघ्र नियंत्रित नहीं हुए तो पूरे देश में हालात बिगड़ेंगे। एचआरसीपी ने जोर देकर कहा कि संघर्ष के हालात में भी नागरिकों को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उसने कहा, नागरिकों और गैर-लड़ाकों को सौदेबाजी के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है।

जापान में कॉनबिनी साम्राज्य के संस्थापक सुजुकी का निधन

टोक्यो, एजेंसी। सेवन-इलेवन सुविधा स्टोर श्रृंखला के वैश्विक खुदरा साम्राज्य की स्थापना का श्रेय पाने वाले जापानी व्यवसायी तोशिफुमी सुजुकी का 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। सुजुकी ने जापान में 7-इलेवन के उन सर्वव्यापी कॉनबिनी आउटलेट्स का संचालन करने वाली इकाई की स्थापना की, जहां व्यस्त लोग सैंडविच, राइस बॉल, पेय पदार्थ, चिप्स और अन्य भोजन खरीद सकते हैं, एटीएम का उपयोग कर सकते हैं और बिजली के बिलों का भुगतान कर सकते हैं।

अमेरिकी सेना का दक्षिणी ईरान पर बड़ा हमला, होर्मुज में माइंस बिछा रही नावों को किया तबाह

तेहरान, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक बहुत बड़ा और खतरनाक सैन्य टकराव देखने को मिला है। अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान के कई अहम सैन्य ठिकानों पर अचानक बहुत भारी हवाई हमले किए हैं। इन बड़े हमलों से पूरे इलाके में एक बार फिर से भयंकर युद्ध भड़कने की गहरी आशंका पैदा हो गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अपनी इस बहुत बड़ी और अहम सैन्य कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

इस कड़ी कार्रवाई का मुख्य कारण होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी सेना द्वारा पैदा किया जा रहा भारी खतरा था। अमेरिकी सैनिकों और वहां मौजूद युद्धपोतों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह बहुत कड़ा कदम उठाया गया है। अमेरिका का साफ कहना है कि वह सीजफायर के बीच संयम बरत रहा है लेकिन आत्मरक्षा सर्वोपरि है। इस अचानक हुए बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक बहुत बड़े संकट और गहरी चिंता में डाल दिया है।

माइंस बिछा रही नावें तबाह : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार होर्मुज में दो ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नावों को माइंस बिछाते देखा गया था। इस भारी खतरे को देखते हुए अमेरिकी नौसेना और वायुसेना ने तुरंत एक संयुक्त और कड़ा जवाबी हमला किया। इस अचूक और तेज कार्रवाई में दोनों ईरानी नावों को मौके पर ही पूरी तरह तबाह कर दिया गया। अमेरिकी सेना का यह खतरनाक हमला केवल होर्मुज जलडमरूमध्य तक ही

बिल्कुल सीमित नहीं रहा। सेना ने बंदर अब्बास क्षेत्र में मौजूद एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल साइट को भी निशाना बनाया। इस ईरानी मिसाइल साइट ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों को अपना निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की थी।

मिसाइल लॉन्चर को किया तबाह : अमेरिकी सेना ने मिसाइल लॉन्चर और वहां मौजूद सभी संबंधित सैन्य ढांचे को पूरी तरह नष्ट कर दिया। ईरानी मीडिया ने भी बंदर अब्बास, सीरिक और जास्क के पास भारी धमाकों की स्पष्ट पुष्टि की है। यह सभी इलाके रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट के बहुत ही ज्यादा करीब मौजूद हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने अपने इस घातक हमले को बहुत ही सीमित दायरे में रखा है। इसका मुख्य उद्देश्य ईरान के साथ जारी इस बड़े संघर्ष को और ज्यादा बिल्कुल नहीं बढ़ाना था। अधिकारियों ने साफ कहा है कि इस कार्रवाई का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा युद्धविराम पूरी तरह खत्म हो गया है।

तेल निर्यात पर बड़ा खतरा : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यात मार्गों में से एक बहुत ही अहम और खास समुद्री रास्ता है। इस संवेदनशील इलाके में तनाव बढ़ने से वैश्विक तेल सप्लाई चेन पर बहुत बड़ा और गंभीर असर पड़ सकता है। फिलहाल यह सैन्य कार्रवाई समाप्त हो चुकी है लेकिन अमेरिकी बल वहां अपनी पूरी सतर्कता बनाए हुए हैं।

अब्राहम अकॉर्ड पर टिके ट्रंप : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान के साथ शांति वार्ता अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान अपने सर्वोच्च नेता से परामर्श के लिए जिस जटिल संचार नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा है, उसके चलते अंतिम फैसले में कुछ समय लग सकता है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता में मध्यस्थता कर रहे देशों को अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने चाहिए, जो इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक एवं सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है। उन्होंने कहा कि ईरान का इस समझौते पर हस्ताक्षर करना सम्मान की बात होगी।

पांच मुस्लिम देशों पर ट्रंप का दबाव : ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका की ओर से इस बेहद जटिल पहेली को सुलझाने के लिए किए गए सभी प्रयासों के बाद, इन सभी देशों के लिए यह अनिवार्य होना चाहिए कि वे कम से कम अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करें।' हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर एक-दो देश के पास ऐसा न करने का कोई कारण हो तो इसे स्वीकार किया जा सकता है। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के मध्यस्थों में से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन पहले ही अब्राहम समझौते पर दस्तखत कर चुके हैं। ट्रंप चाहते हैं कि सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जॉर्डन भी इस समझौते पर हस्ताक्षर करें। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई एक अज्ञात स्थान से काम कर रहे हैं।

लेबनान पर इस्राइल का हमला: हिजबुल्ला के 70 ठिकानों पर बमबारी, सीमाई इलाकों में स्कूल बंद, सात लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान की सीमा पर चल रही लड़ाई अब बहुत खतरनाक हो गई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश के बाद इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इस्राइल की वायुसेना ने ताबड़तोड़ हमले करके हिजबुल्ला के 70 से ज्यादा ठिकानों को तबाह कर दिया है। इन हमलों में करीब 85 बमों और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। दूसरी तरफ, लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एएनए के मुताबिक, इस्राइल के इन हमलों में सात लोगों की मौत हो गई है।

टायर और बेका घाटी में भारी बमबारी : इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने लेबनान के टायर इलाके में हिजबुल्ला के 10 कमांड सेंटर, हथियारों के गोदाम और दूसरे ठिकानों को निशाना बनाया है। सेना ने यह भी दावा किया कि मोटरसाइकिल पर जा रहे हिजबुल्ला के लड़ाकों को भी मार गिराया गया है। इसके अलावा, इस्राइली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की बेका घाटी और कई दूसरे इलाकों में बने हिजबुल्ला के ठिकानों पर भी भारी बम बरसाए हैं।

मश्घरा और कौथारियत में मलबे से निकले शव : लेबनान से आ रही खबरों के मुताबिक, इस्राइल के इन हवाई हमलों से वहां भारी नुकसान हुआ है। मश्घरा नाम के इलाके में हुए हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यहां बमबारी से घर टूट गए, जिसके बाद बचाव दल के लोगों ने मलबे के नीचे से शवों और घायलों को बाहर निकाला। इसी तरह कौथारियत अल-सियाद में हुए एक और हमले में दो लोगों की जान चली गई और दो लोग घायल हो गए। हिजबुल्ला की तरफ से होने वाले पलटवार और ड्रोन हमलों को देखते हुए इस्राइल ने अपने उत्तरी बॉर्डर वाले इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इस्राइल के होम फ्रंट कमांड ने मंगलवार से नई पाबंदियां लगा दी हैं।

लाओस की गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी

वियनतियाने , एजेंसी। लाओस के शाइसोंबून प्रांत में पिछले सप्ताह से गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया गया है। ये ग्रामीण 19 मई को सोने की तलाश में गुफा में गए थे, तभी भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। एक व्यक्ति समय रहते बाहर निकल आया और उसने अधिकारियों को सूचना दी। लाओस और थाईलैंड की संयुक्त रेस्क्यू टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। गोताखोर पानी से भरे संकरे रास्तों से होकर अंदर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल गुफा में फंसे लोगों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

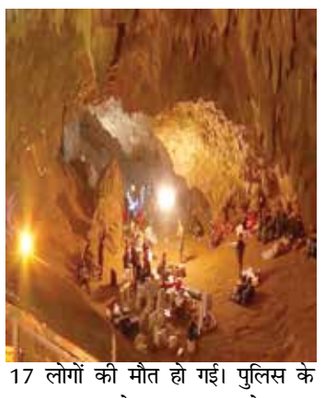

पाकिस्तानः दो बसें आपस में टकराईं, 17 लोगों की मौत : मर्दान , एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी मर्दान जिले में स्वात एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़ी दूसरी बस को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोग घायल भी हुए हैं, जिनका उपचार जारी है। मृतक मुख्य रूप से अपर दीर और बाजौर जिलों के रहने वाले थे और स्वात घाटी जा रहे थे। बचाव दल मौके पर राहत कार्यों में जुटा है और मृतकों की पहचान की जा रही है।

रूस ने यूक्रेन को दी बड़े हमले की चेतावनी, कीव पर हमले का खतरा, नागरिकों से शहर छोड़ने की अपील

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से जारी युद्ध अब एक और भी ज्यादा भयंकर मोड़ पर पहुंच गया है। स्टारोबिस्क में हुए घातक ड्रोन हमले के बाद रूस बुरी तरह से भड़क गया है। इस खतरनाक हमले में 18 लोगों की जान जाने और 42 अन्य के घायल होने के बाद रूस ने कीव पर बड़े हमले की धमकी दी है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन की राजधानी कीव में रक्षा ढांचे पर लगातार और बहुत ही व्यवस्थित हमले करने की खुली चेतावनी दी है। इस बड़ी सैन्य धमकी के साथ ही मॉस्को ने विदेशी और स्थानीय नागरिकों के लिए एक बहुत सख्त सलाह भी जारी की है। रूस ने सभी राजनयिकों, विदेशी नागरिकों और आम लोगों को जल्द से जल्द कीव शहर खाली करने का सीधा आदेश दिया है। इसके साथ ही लोगों को जेलेंस्की शासन के सभी सैन्य और प्रशासनिक ढांचे की सुविधाओं

से बहुत दूर रहने की स्पष्ट चेतावनी दी गई है। यह अहम कदम भारी तबाही से लोगों की कीमती जान बचाने के लिए उठाया गया है।

ड्रोन निर्माण केंद्रों पर निशाना : रूसी सशस्त्र बल अब कीव में मौजूद उन सभी यूक्रेनी रक्षा उद्यमों पर अपना सीधा निशाना साधने की पूरी तैयारी कर रहे हैं। इनमें विशेष रूप से वे महत्वपूर्ण सुविधाएं शामिल हैं जहां घातक ड्रोन डिजाइन और तेजी से प्रोग्राम किए जाते हैं। नाटो विशेषज्ञों की सीधी मदद से संचालित होने वाले इन सभी केंद्रों और ठिकानों को पूरी तरह से तबाह करने की सख्त योजना है।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस बड़े और भयंकर हमले से पहले अमेरिकी विदेश सचिव को इसकी पूरी आधिकारिक जानकारी दे दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि रूसी क्षेत्र पर नागरिकों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ कीव के हमलों का यह एक कड़ा जवाब है। यूक्रेनी सेना की सभी बड़ी जरूरतों को पूरा करने वाले केंद्रों और फैसला लेने वाले संस्थानों पर अब लगातार भारी बमबारी की जाएगी।

यूक्रेन की वायु रक्षा में भारी कमी : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले के इस बड़े खतरे के बीच अपनी वायु रक्षा प्रणाली की भारी कमी का स्पष्ट रूप से जिक्र किया है। उन्होंने माना कि ईरान युद्ध के कारण पूरी दुनिया में एंटी-बैलिस्टिक क्षमताओं की भारी और लगातार कमी बनी हुई है। यूक्रेन अब इस बड़ी कमी को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए अपने सभी यूरोपीय और अमेरिकी सहयोगियों के साथ बहुत तेजी से काम कर रहा है। बीते कुछ महीनों में कीव ने अपनी ड्रोन युद्ध क्षमता को बहुत ज्यादा बढ़ाकर रूसी ठिकानों को भारी और अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन ने रूस के अहम ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कई बहुत सफल और बड़े हमले लगातार किए हैं जिससे वहां काफी ज्यादा तबाही मची है। रूस ने यूक्रेन के इन सभी घातक हमलों को सीधा आतंकवाद करार दिया है और अब कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमलों से अपना कड़ा जवाब दे रहा है।

सेनेगल को मिला नया प्रधानमंत्री

डकार , एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दियोमाये फाये ने अहमादू अल अमीनू लो को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री उस्मान सोनको को हटाए जाने के बाद यह फैसला लिया। सोनको और राष्ट्रपति फाये के बीच पिछले कई महीनों से नीतिगत मतभेद बढ़ रहे थे, खासकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज वार्ता को लेकर। लो इससे पहले पश्चिम अफ्रीकी केंद्रीय बैंक में वरिष्ठ पद पर कार्य कर चुके हैं। नई सरकार ऐसे समय में बन रही है जब सेनेगल आर्थिक संकट और सत्तारूढ़ पार्टी के अंदरूनी विवादों से जूझ रहा है।

अपनी नियुक्ति के बाद राजकीय टेलीविजन पर बोलते हुए, नए प्रधानमंत्री अहमदौ लो ने कहा कि सेनेगल की वित्तीय कठिनाइयों के बीच वह घरेलू व्यवसायों और विदेशी निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश वर्तमान में एक कठिन दौर से गुजर रहा है, खासकर सार्वजनिक वित्त की स्थिति का अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। सेनेगल के नेता ने इस बात पर जोर दिया कि देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विदेशी निवेशकों की नजर में एक स्थिर, सुरक्षित और प्रतिष्ठित गंतव्य के रूप में अपनी छवि की रक्षा और उसे बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेगा। इससे पहले, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सेनेगल के लिए 1.8 अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम को निलंबित कर दिया था, क्योंकि यह पता चला था कि देश ने अपने सार्वजनिक ऋण की गलत जानकारी दी थी। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, 2024 के अंत तक सेनेगल का सार्वजनिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 132% तक पहुंच गया था। सेनेगल के पूर्व प्रधानमंत्री सोनको ने अनुमानित 13 अरब डॉलर के सार्वजनिक ऋण के पुनर्गठन की सेनेगल की योजना का विरोध किया है, उनका दावा है कि आईएमएफ इस पर दबाव डाल रहा है। वहीं, राष्ट्रपति बस्सिरू डियोमाये फे ने इस मामले पर बहुत कम बयान दिए हैं। राष्ट्रपति फेय ने 23 मई को सोनको को बर्खास्त कर दिया, यह कदम दोनों नेताओं के बीच महीनों से चल रहे तनाव का परिणाम माना जाता है, जो कभी करीबी राजनीतिक सहयोगी थे। मार्च में, सोनको ने चेतावनी दी थी कि यदि राष्ट्रपति फेय पार्टी की दिशा से विचलित होती हैं, तो वे संसद में बहुमत रखने वाली सत्तारूढ़ पेस्टेफ पार्टी को विपक्ष में ले जा सकते हैं। इससे आईएमएफ समर्थन बहाल करने के लिए आवश्यक सुधारों को लागू करने की सरकार की क्षमता पर चिंताएं बढ़ गईं। अपनी नई भूमिका में अपने पहले बयान में, प्रधान मंत्री लो ने इस बात की पुष्टि की कि उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति फेय के नेतृत्व में सेनेगल की सुधार के प्रति प्रतिबद्धता में बदलाव का संकेत नहीं देती है, बल्कि एक नए दृष्टिकोण को दर्शाती है जो नेता के दृष्टिकोण के साथ अधिक मेल खाता है।

श्री लो ने अपने पूर्ववर्ती उस्मान सोनको की भी प्रशंसा की और पिछली सरकार की उपलब्धियों को स्वीकार किया। उन्होंने विशेष रूप से पिछले वर्ष घोषित आर्थिक सुधार योजना का उल्लेख किया, जो विकास को गति देने के लिए घरेलू संसाधनों का लाभ उठाने और उन्हें जुटाने पर केंद्रित है।

एशिया से यूरोप तक गर्मी की मार: ब्रिटेन, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में लू का कहर; किस देश में कितना तापमान?

लंदन, एजेंसी। दुनिया इस समय भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान की चुनौती का सामना कर रही है। भारत में जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है, वहीं यूरोप, एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी रिकॉर्डतोड़ गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव अब पहले से ज्यादा खतरनाक, लंबी और जल्दी आने लगी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जो गर्मी पहले जून-जुलाई में देखने को मिलती थी, अब वह मई महीने में ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। कई देशों में स्कूलों, खेल आयोजनों और सार्वजनिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। कुछ जगहों पर मौतों और स्वास्थ्य संकट की घटनाएं भी सामने आई हैं।

ब्रिटेन में गर्मी ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड : ब्रिटेन में मई महीने का अब तक का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। देश के मौसम विभाग के अनुसार लंदन के क्यू गार्डन्स में तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 1922 और 1944 के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी गर्मी आमतौर पर जुलाई या अगस्त में देखने को मिलती है, लेकिन इस बार मई में ही लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग पार्कों, फव्वारों और स्विमिंग पूल का सहारा लेते नजर आए। फ्रांस में भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। देश के 350 से ज्यादा शहरों में मई महीने के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं।

कई इलाकों में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। सरकार ने कई क्षेत्रों में हाई टेम्परेचर अलर्ट जारी किया है और लोगों को दोपहर के समय घरों में रहने की सलाह दी गई है। पेरिस में एक रनिंग इवेंट के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अधिकारियों का मानना है कि तेज गर्मी इसका एक बड़ा कारण हो सकती है। स्पेन भी इस समय भीषण हीटवेव का सामना कर रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालात ऐसे हैं कि रात में भी तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जा रहा।

स्टारबक्स कोरिया के खिलाफ क्यों भड़का गुस्सा?, तीन बार सिर झुकाकर मांगी माफी; मालिक ने दी सफाई

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया के दिग्गज व्यापारी चुंग योंग-जिन ने मंगलवार को दो सप्ताह के भीतर अपना दूसरा माफीनामा जारी किया है। स्टारबक्स के स्थानीय संचालन को 1980 के दशक में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर हुए हिंसक सैन्य दमन के पीड़ितों का मजाक उड़ाने वाले एक हालिया मार्केटिंग अभियान के चलते भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। स्टारबक्स कोरिया में 67.5 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले शिनसेग ग्रुप के अध्यक्ष ने एक वीडियो वाले बयान के दौरान तीन बार सिर झुकाकर माफी मांगी। उन्होंने देश की पूर्व सैन्य तानाशाही द्वारा मारे गए लोकतंत्र कार्यकर्ताओं के परिवारों और आम जनता से क्षमा की याचना की।

18 मई के विद्रोह के अपमान का लगा आरोप : कॉफी चेन ने तब सार्वजनिक आक्रोश को भड़काया, जब उसने टैंक नामक एक बड़े आकार के टंबलर को बढ़ावा देने की कोशिश की। इसके साथ 18 मई को टैंक डे घोषित कर दिया। यह 18 मई को ग्वांगजू शहर में हुए एक लोकतांत्रिक विद्रोह की वर्षगांठ थी, जिसे सैनिकों, टैंकों और हेलीकॉप्टरों द्वारा क्रूरतापूर्वक दबा दिया गया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए या घायल हुए थे।

इस मार्केटिंग अभियान ने 'इसे मेज पर पटक दो!' नारे का इस्तेमाल करके आक्रोश को और बढ़ा दिया, जिसे कई लोगों ने 1987 के एक कुख्यात पुलिस बयान के संदर्भ के रूप में पढ़ा। पुलिस ने छात्र कार्यकर्ता पार्क जोंग-चोल की यातना से हुई मौत को छिपाने का प्रयास किया था। पुलिस का दावा था कि जांचकर्ताओं ने उन्हें 'मेज पर पटक कर मारा' था, जिसके बाद पार्क की अचानक मृत्यु हो गई।

स्टारबक्स कोरिया ने सीईओ को किया बर्खास्त : यह मार्केटिंग प्रचार तुरंत ही गुस्से का वजह बन गया और कुछ ही घंटों में शिनसेग ग्रुप ने इसे रद्द कर दिया। इसके साथ ही स्टारबक्स कोरिया के मुख्य

कार्यकारी अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया। ग्वांगजू में मारे गए लोगों के परिवारों द्वारा की गई शिकायतों के आधार पर पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है।

चुन ने मंगलवार को कहा, 'मैं इस तथ्य को बहुत गंभीरता से लेता हूं कि स्टारबक्स कोरिया के अनुपयुक्त मार्केटिंग अभियान के कारण कई लोगों ने गहरा दर्द और गुस्सा महसूस किया।' उन्होंने स्टारबक्स की दुकानों के कर्मचारियों पर अपना गुस्सा न निकालने का भी आग्रह किया, यह कहते हुए कि जिम्मेदारी प्रबंधन की है। दुकानों पर किसी बड़ी घटना की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी।

कंपनी ने जारी किया बयान : शिनसेग ग्रुप के एक वरिष्ठ कार्यकारी, जियोंग संग-जिन ने कहा कि कंपनी को अभी तक कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला है कि स्टारबक्स कोरिया के मार्केटिंग कर्मचारियों का इरादा लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का मजाक उड़ाना था। हालांकि कर्मचारियों ने इस आरोप से इनकार किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ कर्मचारियों ने एक सप्ताह की आंतरिक समीक्षा के दौरान प्रबंधन के स्मार्टफोन सौंपने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया था। जियोंग ने कहा कि कंपनी पुलिस जांच के नतीजों को देखेगी और किसी भी कर्मचारी को, जिसका इरादा प्रदर्शनकारियों का उपहास करना पाया गया, उसे बर्खास्त कर दिया जाएगा। मार्केटिंग अभियान से उपजे गुस्से ने बहिष्कार के लिए सार्वजनिक आह्वान को जन्म दिया है, जिसे सरकारी अधिकारियों ने भी बढ़ावा दिया। इनमें गृह और सुरक्षा मंत्री यूं हो-जंग भी शामिल हैं, जिन्होंने कहा कि स्टारबक्स उत्पादों का सरकारी कार्यक्रमों में उपयोग नहीं किया जाएगा और श्रृंखला के इतिहास विरोधी व्यवहार पर खेद जताया।

संक्षिप्त डायरी

गया ड्रग्स केस में पूर्व सांसद के बेटे पर FIR, अब तक 6 आरोपी गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) गया में नशीली दवाओं की बरामदगी मामले में ब खुलासा हुआ है. पुलिस ने पूर्व सांसद रंजीत सिंह के बेटे आनंद सिंह सम आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है. इस मामले में अब तक ह आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है. गया शहर में नशी दवाओं के अवैध कारोबार को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है. ड्रग विभ और कोतवाली थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में रंगबहादुर रोड-पिपरपां इलाके से भारी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद की गई थीं. इस मामले में अ पूर्व सांसद रंजीत सिंह के बेटे आनंद सिंह का नाम भी सामने आया है. इ मामले में कुल आठ लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है. अब त दंपती समेत छह आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि अन्य त तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है. 25 मई को हुई थी छापेम जानकारी के मुताबिक 25 मई को ड्रग विभाग और कोतवाली पुलिस संयुक्त रूप से पिपरपांती मोहल्ले में एक घर पर छापेमारी की थी. कार्र के दौरान वहां से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित और नशीली दवाएं बरामद गई थीं. इस मामले में औषधि निरीक्षक सुनील कुमार के बयान पर कोतवा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है. केस एनडीपीएस एक्ट 1985 बीएनएस की कई गंभीर धाराओं के तहत दर्ज हुआ है. पूर्व सांसद के ब पर भी गंभीर आरोप एफआईआर में पूर्व सांसद के बेटे आनंद सिंह पर गंभ आरोप लगाए गए हैं. बताया गया है कि जिस मकान से नशीली दवाओं क कारोबार चल रहा था, वह मकान आनंद सिंह का है. औषधि निरीक्षक आरोप लगाया है कि आनंद सिंह ने बिना किसी सत्यापन के विकास कुम को मकान किराये पर दिया था. बाद में उसी मकान में अवैध नशीली दवा का कारोबार संचालित किया जा रहा था. जांच एजेंसियों का मानना है इस पूरे नेटवर्क में उनकी भूमिका भी संदिग्ध हो सकती है. ये लोग बन गए हैं आरोपी मामले में नामजद आरोपितों में आनंद सिंह के अला मोहम्मद आबिद अंसारी, राजेश कुमार उर्फ मुखिया, कुणाल कुमार, राज कुमार शर्मा, विकास कुमार, उनकी पत्नी रूबी देवी और मुकेश कुम शामिल हैं. पुलिस के अनुसार यह गिरोह लंबे समय से अवैध दवाओं कारोबार से जुड़ा हो सकता है. फिलहाल नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों भी पहचान की जा रही है. छह आरोपी गिरफ्तार, बाकी की तलाश जार गया के एसएसपी सुशील कुमार ने बताया कि इस मामले में विकास कुमा उनकी पत्नी रूबी देवी, कुणाल कुमार, राजेश कुमार उर्फ मुखिया, मुके कुमार और राजेंद्र कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और ड्रग नेटव से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है. बा आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है.

शिक्षा मंत्री से मिले वित्तरहित कर्मियों के प्रतिनिधि

पटना (एजेंसी) वित्तरहित कर्मियों के प्रतिनिधियों ने बिहार के शिक्षा मं मिथिलेश तिवारी से मुलाकात की. शिष्टमंडल ने शिक्षा मंत्री के सम वित्तरहित कर्मियों के लंबित अनुदान का एकमुश्त भुगतान करने की म रखी. बिहार इंटरमीडिएट शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी महासंघ के प्रांत संयोजक जय नारायण सिंह मधु और वसंत कॉलेज छपरा के संस्थापक प्र प्राचार्य व प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार सिंह समेत कई शिक्षक नेता का एक शिष्टमंडल बुधवार को बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री मिथिले तिवारी से उनके सरकारी आवास पर मिला. प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया लंबित अनुदान और वेतनमान की म उठायी शिष्टमंडल ने शिक्षा मंत्री के समक्ष वित्तरहित कर्मियों के लंबि अनुदान का एकमुश्त भुगतान करने की मांग रखी. साथ ही बढ़ती महंग को देखते हुए अनुदान व्यवस्था समाप्त कर जल्द वेतनमान लागू करने आवश्यकता पर जोर दिया गया. शिक्षक नेताओं ने सरकार का ध्यान दिला प्रतिनिधिमंडल में शामिल शिक्षक नेताओं ने कहा कि ह्वसबका साथ, सब विकासह्व और ह्वन्याय के साथ विकासह्व की नीति के बावजूद बिहार केवल वित्तरहित कर्मी ही उपेक्षित रह गये हैं. उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमं नीतीश कुमार के विजन के कारण बिहार विकास की राह पर तेजी से अ बढ़ रहा है, लेकिन वित्तरहित शिक्षकों की समस्याएं अब भी जस की त बनी हुई हैं. आंतरिक आय जोड़कर वेतनमान देने का सुझाव जय नारायण सिंह मधु ने शिक्षा मंत्री को बताया कि सरकार यदि स्कूल और कॉलेजों आंतरिक आय को जोड़कर वेतनमान लागू करती है तो सरकार पर कं विशेष आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा. उन्होंने कहा कि इससे हजारों वित्तरहि कर्मियों को बड़ी राहत मिलेगी. मंत्री ने जल्द अच्छी खबर मिलने का दि भरोसा शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीर से सुना और जल्द लंबित अनुदान भुगतान के साथ वित्तरहित कर्मियों हित में सकारात्मक निर्णय लिये जाने का भरोसा दिया. उन्होंने संकेत दि कि आने वाले समय में वित्तरहित कर्मियों को अच्छी खबर मिल सकती इस मौके पर विदेश्वरी यादव, विमलांबर झा समेत कई शिक्षक नेता उपस्थि रहे. सभी ने एक स्वर में वित्तरहित शिक्षकों और कर्मियों की समस्याओं समाधान की मांग उठायी.

बकरीद को लेकर शेखपुरा पुलिस का फ्लैग मार्च; 62 संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा कड़ी

पटना (एजेंसी) शेखपुरा में बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपू माहौल में संपन्न कराने को लेकर शेखपुरा पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड नजर आ रही है. त्योहार से पहले जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है. बुधवार को एसडीपीओ डॉ. राकेश कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या पुलिस जवानों ने शहर में फ्लैग मार्च निकाला. (सत्येंद्र कुमार) शेखपु में बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने लेकर शेखपुरा पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रही है. त्योहार पहले जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है. बुधवार को एसडीपी डॉ. राकेश कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस जवानों ने शहर फ्लैग मार्च निकाला. इस दौरान महिला पुलिस बल की भी विशेष तैना रही.शहर के कई इलाकों में निकाला गया फ्लैग मार्च फ्लैग मार्च शहर कटरा बाजार, बिचली गली, बुधौली बाजार, गिरिहिंडा स्टेशन रोड, दल मोड़, चांदनी चौक और जमालपुर मोहल्ला सहित कई संवेदनशील इला से होकर गुजरा. पुलिस अधिकारियों ने लोगों से भाईचारे और शांति के स बकरीद मनाने की अपील की. साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अफ़ घटना की सूचना तुरंत पुलिस को देने को कहा गया. 62 संवेदनशील स्था पर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस तैनात जिले में बकरीद को लेकर संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की गई सभी थाना अध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहने निर्देश दिया गया है. प्रशासन द्वारा कमासी, हुसैनाबाद, पचना बरूई, कुंड बड़ी मस्जिद चेवाड़ा, अहियापुर बड़ी दरगाह मस्जिद, लालबाग शकुंत अ तरछा मोहल्ला जैसे क्षेत्रों पर विशेष नजर रखी जा रही है. 742 लोगों हुई निरोधात्मक कार्रवाई विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलि प्रशासन ने अब तक 742 लोगों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की है. व शरारती तत्वों के खिलाफ वारंट भी जारी किए गए हैं. एसडीपीओ ने सा कहा कि त्योहार में गड़बड़ी फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जाएगी. 24 घंटे सक्रिय रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष त्योहार के दौरान गतिविधि पर नजर रखने के लिए समाहरणालय स्थित श्रीकृष्ण सभागार विशेष जिला नियंत्रण कक्ष बनाया गया है.

बिहार में 31 मई तक शिक्षकों की छुट्टी पर रोक, जानिए सम्राट सरकार ने क्यों लिया यह फैसला

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर कई बड़े फैसले लिए हैं. 27 से 31 मई तक शिक्षकों की छुट्टी पर रोक लगा दी गई है, जबकि राज्य के कॉलेजों को देश के टॉप-10 विश्वविद्यालयों से जोड़ने की तैयारी भी शुरू हो गई है. बिहार में ग्रीष्मावकाश से पहले शिक्षा विभाग ने बड़ा फैसला लिया है. विभाग ने 27 मई से 31 मई तक शिक्षकों की छुट्टियों पर रोक लगा दी है. साफ निर्देश दिया गया है कि सभी शिक्षक अंतिम कार्य दिवस तक स्कूल में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे. शिक्षा विभाग का कहना है कि हाल के दिनों में बड़ी संख्या में शिक्षक छुट्टी के लिए आवेदन दे रहे थे, जिससे पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका थी. इसी को देखते हुए यह फैसला लिया गया है. छात्रों को मिलेगा विषयवार गृहकार्यविभाग ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि ग्रीष्मावकाश शुरू होने से पहले छात्रों को हर विषय का गृहकार्य दिया जाए. इतना ही नहीं, इसकी जानकारी छात्रों की डायरी में दर्ज करना भी अनिवार्य होगा. सरकार का उद्देश्य है कि छुट्टियों के दौरान भी बच्चों की पढ़ाई की निरंतरता बनी रहे और वे पढ़ाई से पूरी तरह दूर न हों. बिहार के कॉलेजों का होगा देश के टॉप-10 विश्वविद्यालयों से करार शिक्षकों की छुट्टियों पर रोक के साथ-साथ राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा को लेकर भी कई बड़े फैसले लिए हैं. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने निर्देश दिया है कि बिहार के कॉलेजों का देश के शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों से करार कराया जाए. सरकार का मानना है कि इससे बिहार के छात्रों को बेहतर शिक्षा का मौका मिलेगा और दूसरे राज्यों के छात्र भी बिहार में पढ़ाई के लिए आकर्षित होंगे. 211 प्रखंडों में शुरू होगी स्नातक की पढ़ाई मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक जुलाई से उन 211 प्रखंडों में स्नातक की पढ़ाई शुरू कराई जाए, जहां अब तक डिग्री कॉलेज नहीं हैं. इन प्रखंडों में नए महाविद्यालय खोले जा रहे हैं. इसके लिए शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया भी जल्द शुरू करने का आदेश दिया गया है. सरकार ने कहा है कि कॉलेज ऐसी जगह बनाए जाएं, जहां छात्रों को आने-जाने में परेशानी न हो. जमीन दान करने वालों के नाम पर होंगे कॉलेजसरकार ने डिग्री कॉलेजों के नामकरण को लेकर भी नई व्यवस्था बनाई है. मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों द्वारा कॉलेज के लिए जमीन दान दी जाएगी, उन्हीं के नाम पर महाविद्यालय का नाम रखा जाएगा. अगर कोई व्यक्ति भवन निर्माण में सहयोग करेगा, तो कॉलेज परिसर के किसी हिस्से का नाम भी उसके नाम पर रखा जा सकेगा. बिहार में बढ़ेगी ओपन यूनिवर्सिटी की संख्या राज्य सरकार बिहार में ओपन यूनिवर्सिटी की संख्या बढ़ाने की तैयारी में है. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को देश के अलग-अलग राज्यों में चल रही ओपन यूनिवर्सिटी का अध्ययन करने का निर्देश दिया है. सरकार का मानना है कि इससे ज्यादा से ज्यादा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी और विश्वविद्यालयों पर दबाव भी कम होगा.विक्रमशिला विश्वविद्यालय को लेकर भी तैयारी तेज मुख्यमंत्री ने कहा कि विक्रमशिला विश्वविद्यालय को दोबारा स्थापित करने की दिशा में तेजी से काम किया जाएगा.

दरभंगा के धनकुबेर BDO के घर EOU की छापेमारी, आवास, ऑफिस से लेकर ससुराल तक कार्रवाई

पटना (एजेंसी) दरभंगा के केवटी बीडीओ चंद्रमोहन पासवान के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में आर्थिक अपराध इकाई ने छह ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की है आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने उनके छह अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की है. केवटी मुख्यालय परिसर के पीछे स्थित सरकारी आवास, दरभंगा जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र स्थित निजी आवास, मधुबनी जिले के बाबूबरही थाना क्षेत्र स्थित पैतृक घर तथा सीतामढ़ी स्थित ससुराल समेत अन्य स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है. केवटी प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित बीडीओ चंद्रमोहन पासवान के कार्यालय को खुलवाकर आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने जांच शुरू कर दी है. दो अधिकारी अपने कर्मियों के साथ कार्यालय के अंदर पहुंचे और विभिन्न कमरों में रखे पंजी, फाइलों तथा आलमारी की सघन जांच शुरू कर दी. सुबह करीब साढ़े दस बजे प्रधान लिपिक के कार्यालय पहुंचने के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर टीम ने दस्तावेजों की विस्तृत जांच शुरू की. बीडीओ कार्यालय में दो घंटे चली जांच, कुछ दस्तावेज साथ ले गई टीम केवटी प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित बीडीओ कार्यालय में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम ने बुधवार को करीब दो घंटे तक सघन जांच अभियान चलाया. कार्यालय में तलाशी की प्रक्रिया सुबह करीब साढ़े दस बजे शुरू हुई और दोपहर साढ़े बारह बजे समाप्त हुई. जांच के दौरान टीम ने विभिन्न अभिलेखों, पंजी और कार्यालय से जुड़े दस्तावेजों की बारीकी से जांच की. टीम के सदस्य लौटते समय एक झोले में कुछ कागजात अपने साथ ले गए. हालांकि पूछे जाने पर अधिकारियों ने बताया कि कार्यालय से कोई विशेष सामग्री नहीं मिली है. सरकारी आवास पर छापेमारी जारी वहीं दूसरी टीम बीडीओ चंद्र मोहन पासवान के सरकारी आवास पर सुबह सात बजे से लगातार जांच कर रही है. आवास के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और आम लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई है. सात महीने पहले केवटी में हुआ था ट्रांसफर जानकारी के अनुसार बीडीओ चंद्र मोहन पासवान समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर प्रखंड से स्थानांतरित होकर 3 अक्टूबर 2025 से केवटी प्रखंड में योगदान दे रहे थे.

बिजली मीटर रिचार्ज के लिए लिंक भेजा, 100 रुपये डालते ही खाते से उड़े 4 लाख

पटना (एजेंसी) पटना में साइबर अपराधियों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है. बदमाशों ने बिजली मीटर बंद होने का डर दिखाकर एक व्यक्ति के खाते से 4 लाख रुपये उड़ा लिए, वहीं एक महिला भी करीब सात लाख की ठगी का शिकार हुई है. (नितिश सिंह) : साइबर बदमाशों ने गौरीचक के रहने वाले चंदन कुमार को बिजली मीटर निष्क्रिय होने का झांसा दिया और उनके खाते से 4 लाख रुपये की अवैध निकासी कर ली. जानकारी के अनुसार, बदमाशों ने चंदन को एक मैसेज भेजकर यह बताया कि उनका बिजली मीटर निष्क्रिय हो गया है. झांसे में लेने के लिए अपराधियों ने उन्हें एक लिंक भेजा और कहा कि इस लिंक के माध्यम से मात्र 100 रुपये का रिचार्ज कर दीजिए, जिससे मीटर चालू रहेगा. पीड़ित बदमाशों की चाल समझ नहीं पाए और उन्होंने उस लिंक के माध्यम से 100 रुपये का रिचार्ज कर दिया. ऐसा करते ही उनका मोबाइल फोन और बैंक अकाउंट हैक हो गया, जिसके बाद बदमाशों ने खाते से लाखों रुपये उड़ा लिए. इस संबंध में चंदन ने साइबर थाने में केस दर्ज करा दिया है. फुलवारी की शमशाद बेगम से भी 6.98 लाख की ठगी इसी तरह का एक और मामला फुलवारीशरीफ की रहने वाली शमशाद बेगम के साथ भी प्रकाश में आया है. उनके अकाउंट से भी साइबर बदमाशों ने ठीक इसी कार्यशैली (मोडस ऑपरेंडी) का इस्तेमाल कर 6.98 लाख रुपये की निकासी कर ली. साइबर थाने में मामले दर्ज, पर गिरफ्तारियां नहीं होने से लोग परेशानपटना में इस तरह के साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है और पीड़ित परिवारों द्वारा लगातार साइबर थाने में केस भी दर्ज कराया जा रहा है. लेकिन, पुलिस द्वारा इन शातिर बदमाशों की गिरफ्तारी नहीं हो पा रही है, जिससे लोग परेशान हैं.

'जमीन से जुड़े काम अब केवल ऑनलाइन...' बिहार के मंत्री बोले- ऑफलाइन काम करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

पटना (एजेंसी) राजस्व मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने अधिकारियों को चेतावनी दी है कि 15 दिनों में कामकाज में सुधार नहीं हुआ तो कार्रवाई होगी. उन्होंने ई-मापी समेत सभी राजस्व कार्यों को पूरी तरह ऑनलाइन करने का निर्देश दिया. (कृष्ण कुमार, पटना) राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने विभागीय अधिकारियों को साफ चेतावनी दी है. उन्होंने कहा कि कामकाज में सुधार नहीं हुआ तो कार्रवाई होगी. बुधवार को विभागीय कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कटिहार, पूर्वी चंपारण और गोपालगंज जिले के राजस्व कार्यों की उन्होंने समीक्षा की. उन्होंने आगे कहा कि भ्रष्टाचार पर रोक तभी संभव है, जब मंत्री से लेकर फील्ड तक हर अधिकारी ईमानदारी से काम करे. उन्होंने कहा कि जब विभाग का पूरा सिस्टम व्यवस्था सुधारने में जुटा है, तो फील्ड अधिकारियों की भी जवाबदेही बनती है. मंत्री ने कम रैंकिंग वाले जिलों और अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की. उन्होंने अगले 15 दिनों में स्थिति सुधारने का निर्देश दिया. ऑफलाइन काम करने वालों पर होगी कार्रवाई बैठक के दौरान मंत्री ने ई-मापी व्यवस्था पर विशेष जोर दिया. उन्होंने साफ कहा कि जमीन मापी से जुड़ा हर काम अब केवल ऑनलाइन मोड में ही होगा. यदि कोई अधिकारी ऑफलाइन तरीके से काम करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. मंत्री ने जिलाधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि सभी अधिकारियों की मुख्यालय में मौजूदगी की नियमित जांच करें. साथ ही अंचलाधिकारियों के लिए स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने को भी कहा गया. ह्यकाम में देरी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती हैह्व मंत्री डॉ. जायसवाल ने दो टूक शब्दों में कहा कि सरकारी कार्यों में देरी ही भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी वजह बनती है. उन्होंने कहा कि आम जनता का भरोसा दोबारा जीतना विभाग की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और यह तभी संभव है जब लोगों के काम तय समय पर पूरे हों. उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार पर निगरानी रखने के लिए आर्थिक अपराध इकाई का एक विशेष सेल बनाया गया है और विभाग के करीब पौने दो सौ अधिकारी उसकी निगरानी में हैं. कई योजनाओं और लंबित मामलों की हुई समीक्षा बैठक में विभाग के सचिव जय सिंह ने अधिकारियों को सभी लंबित मामलों का समय सीमा के भीतर निष्पादन करने का निर्देश दिया. समीक्षा के दौरान म्यूटेशन डिफेक्ट चेक, ऑनलाइन म्यूटेशन, परिमार्जन प्लस, ई-मापी, अभियान बसेरा, गवर्नमेंट लैंड वेरिफिकेशन, राजस्व महा-अभियान, पब्लिक ग्रीवांस, सहयोग शिविर, फॉर्मर रजिस्ट्रेशन और आरसीएमएस न्यायालयों में लंबित मामलों की बारी-बारी से समीक्षा की गई. मंत्री ने लंबे समय से लंबित मामलों को तुरंत निपटाने का आदेश दिया.

सीएम योगी बोले : बेटियों और व्यापारियों को किसी ने छेड़ा तो चुकानी होगी कीमत

प्रयागराज (एजेंसी) प्रदेश में सुशासन का माहौल है। बेटियां और व्यापारी सुरक्षित होकर किसी भी समय बाहर निकल सकते हैं। अगर किसी ने उन्हें छेड़ा तो उसे कीमत चुकानी होगी। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को नगर निगम, प्रयागराज में आयोजित विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास समारोह में कहीं। प्रदेश में सुशासन का माहौल है। बेटियां और व्यापारी सुरक्षित होकर किसी भी समय बाहर निकल सकते हैं। अगर किसी ने उन्हें छेड़ा तो उसे कीमत चुकानी होगी। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को नगर निगम, प्रयागराज में आयोजित विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास समारोह में कहीं। मुख्यमंत्री ने 452 करोड़ रुपये की लागत वाली 200 से अधिक विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में नौ साल पहले आतंक का माहौल था, सार्वजनिक जमीन पर कब्जा हो जाता था, अराजकता का तांडव होता था और विकास ठप हो गया था। अब आंतक, माफियागीरी, गुंडगर्दी से प्रयागराज मुक्त हो चुका है। बेटियां हों या व्यापारी, सुरक्षित होकर किसी भी समय निकल सकते हैं। उन्हें कोई छेड़ने का दुस्साहस नहीं कर सकता है। अगर छेड़ेगा तो उसकी कीमत चुकाएगा। कहा कि डबल इंजन की सरकार सुरक्षा, समृद्धि के लिए नए प्रयास कम रही है। हर प्रकार से आपके घरों और व्यक्तिगत जीवन में खुशहाली का माहौल हो, सरकार इस दिशा में काम कर रही है। कहा कि पूर्व की सरकारों में महर्षि भरद्वाज आश्रम पर भी अवैध कब्जा व अतिक्रमण था। महर्षि भरद्वाज हम सबके कुल के गुरु हैं और दुनिया के पहले कुलपति भी हैं। हजारों वर्ष पहले प्रयागराज में गुरुकुल चलाते थे। श्रीराम उनके दर्शन के लिए दो बार प्रयागराज आए। डबल इंजन की सरकार में अब महर्षि भरद्वाज का आश्रम कब्जा मुक्त है और मंदिर भी भव्य रूप ले चुका है। पूर्व की सरकारों में कुंभ के दौरान होती थी गंदगी, भगदड़, अराजकता मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वही प्रयागराज है, जहां 2017 से पहले माघ मेला, कुंभ में लोग गंदगी, भगदड़, अराजकता, अव्यवस्था का शिकार होते थे। लोग आना नहीं चाहते थे। 2019 में जब भाजपा सरकार को कुंभ के आयोजन का अवसर मिला तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से यूनेस्को ने इस आयोजन को मानवता की अमूर्त धरोहर के रूप में मान्यता दी।

लालकुआं-बंगलूरू और काठगोदाम-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस नियमित, नए नंबर जारी, घटेगा किराया

बरेली (एजेंसी) लंबे समय से विशेष के तौर पर चलाई जा रहीं 05073-74 लालकुआं-बंगलूरू और 09075-76 काठगोदाम-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस को रेलवे बोर्ड ने नियमित का दर्जा दे दिया है। इसके साथ ही बरेली होकर मुंबई के लिए एक और नियमित गाड़ी व दक्षिण भारत के लिए पहली नियमित गाड़ी मिल गई है। दोनों गाड़ियों के नए नंबर भी जारी कर दिए गए हैं। नियमित के रूप में संचालन शुरू होने के बाद इन ट्रेनों में किराया 35 से 40 फीसदी तक कम हो जाएगा। 21907 मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम सुपरफास्ट 27 मई से प्रत्येक बुधवार को सुबह 10:55 बजे मुंबई सेंट्रल से चलने के बाद दूसरे दिन सुबह 9:45 बजे बरेली आएगी और दोपहर 1:50 बजे काठगोदाम पहुंचेगी। 21908 काठगोदाम मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट 28 मई से प्रत्येक बृहस्पतिवार को काठगोदाम से शाम 5:30 बजे चलने के बाद रात 8:15 बजे बरेली आएगी और अगले दिन रात नौ बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। 15302 लालकुआं-बंगलूरू सिटी एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार को लालकुआं से शाम 5:45 बजे चलने के बाद 7:32 बजे बरेली आएगी और तीसरे दिन दोपहर 3:25 बजे बंगलुरू सिटी पहुंचेगी। 15301 बंगलुरू सिटी-लालकुआं एक्सप्रेस प्रत्येक मंगलवार को बंगलुरू सिटी से सुबह 7:15 बजे चलने के बाद तीसरे दिन सुबह 6:25 बजे बरेली आएगी और 9:05 बजे लालकुआं पहुंचेगी टनकपुर-अछनेरा एक्सप्रेस भी की गई नियमित रेलवे ने बरेली होकर गुजरने वाली 05062-61 टनकपुर-अछनेरा एक्सप्रेस को भी नियमित का दर्जा दे दिया है। अप-डाउन में इस गाड़ी का संचालन पांच-पांच दिन किया जाएगा। ट्रेन को नया नियमित नंबर भी जारी कर दिया गया है। 15094 टनकपुर-अछनेरा एक्सप्रेस बुधवार और शनिवार को छोड़कर सप्ताह में पांच दिन टनकपुर से तड़के 4:10 बजे चलने के बाद 6:35 बजे बरेली जंक्शन आएगी और दोपहर 12:20 बजे अछनेरा पहुंचेगी। 15093 अछनेरा-टनकपुर एक्सप्रेस दोपहर 3:50 बजे अछनेरा से चलने के बाद रात 8:33 बजे बरेली जंक्शन आएगी और 11:45 बजे टनकपुर पहुंचेगी।

राहुल गांधी के बाद अमेठी में स्मृति ईरानी की दस्तक, स्वागत और मुलाकातों से गरमाई सियासत

अमेठी (एजेंसी) कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाद अब स्मृति ईरानी अमेठी के दौरे पर हैं। उन्होंने मुसाफिरखाना में आयोजित कार्यकताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और संगठन को मजबूत करने और कार्यकताओं से लगातार जनसंपर्क बनाए रखने पर जोर दिया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हालिया दौरे के बाद अब पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के अमेठी पहुंचने से जिले की सियासत फिर चर्चा में आ गई है। बुधवार को जिले की सीमा पर पहुंचते ही भाजपा कार्यकताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। कई स्थानों पर कार्यकताओं ने स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए। स्मृति ईरानी मुसाफिरखाना में आयोजित कार्यकताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और कार्यकताओं से लगातार जनसंपर्क बनाए रखने पर जोर दिया। उनके आगमन से भाजपा कार्यकताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। दौरे के दौरान वह सिंहपुर ब्लॉक क्षेत्र के पूरे ठकुराइन मजरे मत्तेपुर गांव भी पहुंचीं। यहां वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश तिवारी के भाई बृजेश तिवारी के निधन पर उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने परिवार को ढांढस बंधाया और कुछ समय तक परिजनों के बीच रहीं। राजनीतिक गलियारों में स्मृति ईरानी के इस दौरे को काफी अहम माना जा रहा है। कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने अमेठी पहुंचकर कार्यकताओं को संबोधित किया था। अब स्मृति ईरानी की सक्रियता को भाजपा की ओर से संगठन और कार्यकताओं में नई ऊर्जा भरने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

ननिहाल आए पांच साल के मासूम को ट्रक ने कुचला, मौत, आरोपी चालकी की पिटाई; पुलिस ने छुड़ाया

गाजीपुर (एजेंसी) मरदह क्षेत्र में मंगलवार शाम ट्रक की चपेट में आने से पांच वर्षीय आर्यन यादव की मौत हो गई। हादसा डॉ. भीमराव अंबेडकर तिराहे के पास हुआ। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने भाग रहे ट्रक चालक को पकड़कर पिटाई कर दी। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर ट्रक कब्जे में कर लिया है। गाजीपुर के मरदह थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच वर्षीय बालक की मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने भाग रहे ट्रक चालक को पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर हिरासत में लिया और ट्रक को कब्जे में ले लिया। जानकारी के अनुसार करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के ऊंचाडीह गांव निवासी आर्यन यादव (5) पुत्र रामदरश यादव अपनी मां रीता यादव के साथ चार दिन पहले अपने ननिहाल चंवरा बिहरा गांव आया था। मंगलवार को वह अपने मामा महेंद्र यादव और मामी के साथ मरदह बाजार खरीदारी करने गया था। बाजार से लौटते समय मरदह थाना मुख्यालय से करीब 400 मीटर दूर डॉ. भीमराव अंबेडकर तिराहे के पास हादसा हो गया। थानाध्यक्ष तारावती यादव ने बताया कि मरदह बस स्टैंड-कासिमाबाद मार्ग स्थित तिराहे पर पीछे से आ रहे खाली गैस सिलेंडर लदे ट्रक ने आर्यन को कुचल दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उसे तत्काल उपचार के लिए मऊ जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों में मचा कोहराम हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से भागने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया। बालक की मौत से नाराज लोगों ने चालक की जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद चालक को भीड़ से बचाकर बाहर निकाला। चालक की पहचान प्रदीप कुमार निवासी बहरी, थाना बड़ागांव, वाराणसी के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक के मामा महेंद्र यादव की तहरीर के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मॉच्युर्री भेज दिया गया है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए

जानी-मानी कोरियोग्राफर और रियलिटी शोज की जज गीता कपूर 6 जून से शुरू होने वाले रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में बतौर जज नजर आएंगी। इससे पहले बातचीत के दौरान गीता ने नए सीजन, रियलिटी शोज में आए बदलाव, सोशल मीडिया के असर और स्क्रिप्टेड कंटेंट को लेकर खुलकर अपनी राय रखी।

नए सीजन और पैनल की बात करते हुए गीता कपूर ने नए जज जावेद जाफरी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, 'इस बार पैनल का पूरा माहौल अलग है। चौथे जज के तौर पर जावेद जाफरी जुड़े हैं। उनके पास बहुत अनुभव है। डांस और फिल्ममेकिंग की गहरी समझ है। खास बात ये भी है कि मैं उनके साथ लगभग 35 साल पहले काम कर चुकी हूं, इसलिए उनके साथ बैठना भी अपने आप में नया अनुभव है।' शो में इस बार क्या अलग होने वाला है? इस पर गीता ने कहा, 'इस बार शो में बहुत ज्यादा रीमिक्स गाने नहीं होंगे। आप गानों को लगभग उनके असली रूप में सुनेंगे। पहले बॉलीवुड डांस में वेस्टर्न स्टाइल का तड़का लगाया जाता था, लेकिन इस बार बॉलीवुड डांस अपने असली अंदाज में नजर आएगा।'

नई पीढ़ी और इंडियन कल्चर पर बात करते हुए गीता कपूर ने कहा, 'मुझे लगता है कि इतने साल तक हमने दुनिया भर से इंस्पिरेशन लेकर बॉलीवुड गानों पर अलग-अलग डांस स्टाइल्स दिखाए। लेकिन कहीं न कहीं हम भूल गए कि हमारी अपनी संस्कृति और हमारे गानों में भी कितनी खूबसूरती है। आज की नई पीढ़ी बाहर की चीजों से बहुत प्रभावित है, इसलिए यह जरूरी है कि वे अपनी जड़ों और अपनी कल्चर से भी जुड़ी रहें।'

लोगों का अटेंशन स्पैन बहुत छोटा हो गया है

रियलिटी शोज में आए बदलावों पर बात करते हुए गीता कपूर ने कहा, 'सोशल मीडिया का असर बहुत ज्यादा बढ़ गया है। लोगों का अटेंशन स्पैन बहुत छोटा हो गया है। कुछ देखते ही लोग कह देते हैं कि ये तो देख लिया या अब बोर हो गए, कुछ और देखते हैं। पहले तीन-चार मिनट की परफॉर्मेंस लोगों को बांधकर रखती थी, लेकिन अब ऐसा करना मुश्किल हो गया है।'

रकुल प्रीत सिंह ने रिश्ते में धोखे पर रखी बात

रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक ठाक प्रदर्शन कर रही है। इस बीच अभिनेत्री ने बेवफाई के मुद्दे पर अपनी राय रखी है।

रिश्तों के बारे में खुलकर बात करते हुए, एक्ट्रेस ने माना कि एक बार की गलती को कभी-कभी माफ किया जा सकता है। अभिनेत्री का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब जैकी भगनानी ने अपनी और रकुल प्रीत सिंह की शादी को सिचुएशनशिप बताया था।

रिश्ते में धोखा देना स्वीकार्य नहीं

हाल ही में रकुल प्रीत ने द बॉम्बे जर्नी के साथ बातचीत में उनसे पूछा गया कि क्या किसी रिश्ते में धोखा देना कभी स्वीकार्य हो सकता है, तो रकुल ने तुरंत नहीं में जवाब दिया।

बेवफाई पर बोली रकुल

इसके बाद, रकुल प्रीत ने कहा, 'यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि गलती कितनी बड़ी है। गलती की हद क्या है? रकुल ने आगे कहा 'अगर किसी से एक बार गलती हो जाती है, तो जिंदगी इतनी लंबी है कि एक गलती के लिए किसी को माफ न करना सही नहीं है। कृपया ध्यान दें। यह बात मेरे निजी रिश्ते पर लागू नहीं होती।' रकुल ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि अगर कोई माफ करता है, तो उसे आखिरकार उस गलती को भूलना ही पड़ता है।

जैकी भगनानी ने दिया था बयान

यह सब तब हुआ, जब कुछ दिन पहले ही रकुल और उनके पति जैकी भगनानी की निजी जिंदगी चर्चा का विषय बन गई थी। इसकी वजह जैकी का अपनी शादी को लेकर दिया गया सिचुएशनशिप वाला बयान था। बातचीत में जैकी ने कहा रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हम एक तरह की 'सिचुएशनशिप' में हैं। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं। इसीलिए तो हमने शादी की है। सबसे जरूरी बात यह है कि मैं उनसे किसी भी चीज के बारे में बात कर सकता हूं।' रकुल ने शेयर किया वीडियो जैकी के इस बयान पर तुरंत प्रतिक्रियाएं आने लगीं। कई लोगों ने इस बयान को गलत समझ लिया। बाद में रकुल ने एक मजाकिया वीडियो के जरिए इस मामले पर बात की। वीडियो में उन्होंने जैकी से कान पकड़वाए और मजाक में कहा, 'इसे कितनी बार बोला है कि हम मिलेनियल्स हैं, जेन जी बनने की कोई जरूरत नहीं है! बोला था ना?' जैकी उनके बगल में खड़े कान पकड़े हुए नजर आए। फिर वह मुस्कुराए और 'सॉरी' कहा।

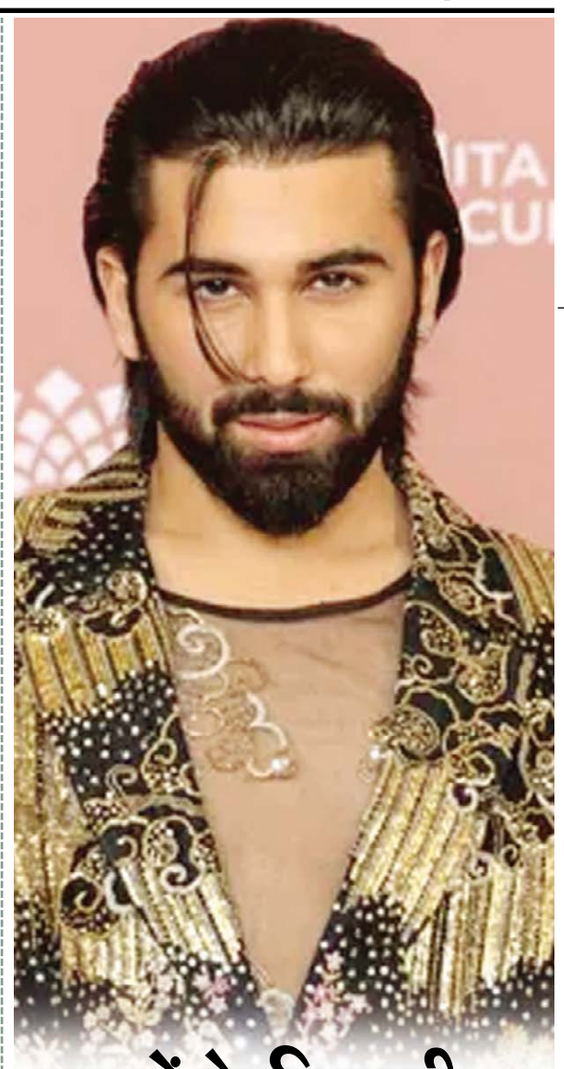

खतरों के खिलाड़ी 15 डेब्यू होने के साथ-साथ रिटायरमेंट भी होगा

सोशल मीडिया पर छाए रहने वाले ओरी अब रियलिटी टीवी शो की दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। ओरी, रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी टीवी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में नजर आएंगे। उन्होंने मजाक में कि यह उनका डेब्यू होने के साथ-साथ रिटायरमेंट भी होगा। बातचीत में ओरी ने खुलकर अपनी तैयारियों और भावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने साफ कहा कि यह उनका पहला वास्तविक रियलिटी शो अनुभव होगा। ओरी ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मैं एक 'रियलिटी शो वर्जिन' हूं। यह मेरा डेब्यू भी होगा और मेरा रिटायरमेंट भी।' उन्होंने बताया कि वह पहले बिग बॉस में सिर्फ एक दिन के लिए गए थे, इसलिए उसे वह रियलिटी शो का वास्तविक अनुभव नहीं मानते। ओरी ने अपनी तैयारी को लेकर एक दिलचस्प और चौंकाने वाला खुलासा भी किया। उन्होंने बताया कि शो की तैयारी के तौर पर उन्होंने 'बिकनी वैक्स' भी करवाया है। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं इसके लिए बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। मैं पैदाइशी ही ऐसा हूं। मैं इतना उत्साहित हूं कि मैंने बिकनी वैक्स भी करवा लिया। आप इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि मेरा उत्साह कितना है।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या यह दर्द सहन करने की उनकी परीक्षा थी, तो ओरी ने जवाब दिया, 'हां, यह इस बात की परीक्षा थी कि मैं कितना दर्द सहन कर सकता हूं। अब मुझे लगता है कि बिजली के झटकों से भी मुझे कोई तकलीफ नहीं होगी। अगर कोई स्विमिंग टास्क आया तो मैं आसानी से तैर लूंगा।' ओरी ने आगे कहा कि बहुत से लोग इस शो में अपने डर पर काबू पाने के लिए आते हैं, लेकिन उनके लिए यह शो यह जानने का मौका है कि क्या अब भी उन्हें किसी चीज से डर लगता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी पहले ही काफी थकाने वाली रही है। अब यह शो बताएगा कि मेरे अंदर अभी भी कोई डर बचा है या नहीं। असली जवाब तो शो में ही मिलेगा।'

खतरों के खिलाड़ी शो मेरे दिल के बहुत करीब है

मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी एक बार फिर कलर्स टीवी के लोकप्रिय स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' से होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। उन्होंने दर्शकों के बीच शो को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए पोस्ट शेयर किया। निर्देशक रोहित शेट्टी ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'इस शो के होस्ट के तौर पर मेरा यह 10वां सीजन है और यह शो मेरे दिल के बहुत करीब है। इतने सालों से मुझे और इस शो को इतना प्यार देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 15 जल्द आ रहा है। बता दें कि इस सीजन की शूटिंग साउथ अफ्रीका के केपटाउन में शुरू हो चुकी है।

ईमानदारी से काम किया तो मुश्किलें अपने आप दूर हो जाती हैं

लोकप्रिय टीवी शो 'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रही अभिनेत्री अद्रिजा रॉय को उनके इस किरदार में काफी पसंद किया जा रहा है। इस बीच अभिनेत्री ने काम को लेकर अपने विचार प्रशंसकों के सामने रखी। अद्रिजा का स्पष्ट मानना है कि ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ अगर आप पूरी लगन से अपना काम करते हैं तो राह में आने वाली मुश्किलें और बाधाएं अपने आप दूर हो जाती हैं। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अद्रिजा रॉय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि टीवी शो 'अनुपमा' में उनकी एंट्री के बावजूद वे हमेशा से जानती थीं कि यह शो रूपाली गांगुली के किरदार 'अनुपमा' के इर्द-गिर्द घूमता है। उन्होंने कहा, ''जब मुझे नई पीढ़ी के लीप के लिए संपर्क किया गया तो मैं बेहद उत्साहित थी। 'अनुपमा' अपने आप में एक ब्रांड है। इतने बड़े और सफल शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है। मुझे जो भूमिका और जगह दी गई, उससे मैं पूरी तरह संतुष्ट और खुश हूं।'' वे मानती हैं कि सफलता की राह में चुनौतियां आती हैं, लेकिन सही मंशा और मेहनत के साथ हर मुश्किल आसान हो जाती है। उन्होंने बताया कि वह शोहरत, टीआरपी या रैंकिंग की बजाय अपने काम और परफॉर्मेंस पर पूरा ध्यान देती हैं। अद्रिजा ने बताया, ''मेरा हमेशा से मानना है कि ईमानदारी से अपना काम किया जाए तो राह में आने वाली मुश्किलें अपने आप ठीक हो जाती हैं। 'अभिनेत्री ने 'अनुपमा' के प्रोड्यूसर राजन शाही की तारीफ करते हुए कहा कि वह सेट पर हर एक्टर को यही सलाह देते हैं कि टीआरपी या रेटिंग के बारे में न सोचें, बस अपनी परफॉर्मेंस पर ध्यान दें। अद्रिजा भी इसी विचार से सहमत हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बाहरी दबाव या तनाव को ज्यादा प्रभावित नहीं होने देती। हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हूं।'' एक्ट्रेस का यह भी मानना है कि उनमें और शो के उनके किरदार में कई समानताएं हैं। उन्होंने बताया, मुझमें और राही में निश्चित रूप से कई समानताएं हैं, खासकर सकारात्मक नजरिए से।

ऊपरवाला देता है तो छप्पर फाड़कर देता है

'छावा', 'निशानची', 'सुपर बॉयज ऑफ मालेगांव' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके विनीत कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बताया- वो मेरे करियर की सबसे मुश्किल शूटिंग थी।

आग में तपकर ही सोना कुंदन बनता है। एक जमाने में विनीत कुमार ने चाहे जितना भी संघर्ष किया हो, मगर आज उन्हें अपने संघर्ष, मेहनत और प्रतिभा का फल मिल रहा है। बीता साल उनके लिए बहुत ही मुफीद रहा। पिछले साल उनकी 8 फिल्में रिलीज हुईं और उन फिल्मों में 'छावा', 'निशानची', 'सुपर बॉयज ऑफ मालेगांव' जैसी फिल्मों में उन्हें खूब तारीफ भी मिली। इस साल वे चर्चा में हैं 'हैलो बच्चों' और 'मटका किंग' से।

विनीत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' की शूटिंग कर रहे हैं। सभी जानते हैं कि गर्मी ने पूरे देशभर में हाहाकार मचा कर रखा हुआ है और ग्वालियर में भी खूब पारा चढ़ा हुआ है। ऐसे में विनीत हीट को बीट करने के तमाम तरीके अपना रहे हैं।

वे कहते हैं, 'गर्मी के मारे तो हमारा बुरा हाल है। हाल ही में तापमान 44 डिग्री था, ऐसे में शूटिंग करना आसान नहीं होता। हां, बीच में एक दिन ईश्वर की कृपा से बारिश हो गई थी और कुछ ठंडक भी, मगर फिर वही गर्मी का प्रकोप। यहां सुबह और शाम अच्छी होती है, मगर दोपहर तो आग ही उगलती है। ऐसे में मैं देसी उपाय करता हूं। सत्तू को पानी में मिलाकर उसमें जीरा और नमक डाल कर उसे पीने से बॉडी में ठंडक बनी रहती है। दूसरा घरेलू उपाय है सब्जा। यह भी काफी फायदेमंद है। इसे पानी में भिगोकर रखने के बाद साथ में कैरी किया जा सकता है। ये दो-तीन घंटे तक चलता है। ये सारे नुस्खे मैं ही नहीं बल्कि मेरा स्टाफ भी आजमाता है। जाहिर-सी बात है कि मेरी टीम ही है, जो मेरे लिए इतनी भागदौड़ करती है।' शूटिंग के दौरान होने वाली भयंकर गर्मी का एक किस्सा याद करते हुए वे कहते हैं, 'हम लोग बनारस में मुक्केबाज की शूटिंग कर रहे थे गर्मी के मौसम में टेम्प्रेचर 47 डिग्री शूटिंग की बड़ी-बड़ी हैवी लाइट्स, मैं बॉक्सिंग रिंग में दस-दस घंटे फाइट्स लड़ता था। एक दिन तो मैं एक ऐसी फाइट लड़ रहा था, जो डिजाइन नहीं थी। वो रियल फाइट थी और मैं कह सकता हूं कि वो मेरे करियर की सबसे मुश्किल शूटिंग थी। उस दिन मैंने 5 फाइट्स लड़ी थीं। आज जब भी किसी मुश्किल वेदर कंडीशन में काम करता हूं,तो खुद को मुक्केबाज की शूटिंग की याद दिलाता हूं। उससे मुझे बहुत ताकत मिलती है।'

बेटे के लिए दुनिया को बेहतर बनाना है

अपने फादरहुड के अहसास के बारे में वे कहते हैं, 'जब मैं पिता बना, तो मुझे अहसास हुआ कि हमारे माता-पिता ने हमारे लिए कितनी कुर्बानियां दी होंगी, अपनी कितनी ही रातों की नींद खराब की होगी। हर आवाज पर अलर्ट रहना पड़ा होगा। हालांकि मुझे पता हमेशा से था, मगर अहसास अब हुआ। अब लगता है कि दुनिया बेहतर होनी चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में मेरा बेटा उसी दुनिया में पलने वाला है। हालांकि वो अभी काफी छोटा है।'

मेरे रोल को धुरंधर का बड़ा साब कहा जा रहा है

वर्क फ्रंट पर तो विनीत कुछ ज्यादा ही मसरूफ हैं। वे कहते हैं, 'अभी मैं मध्य प्रदेश में फिल्म शक्ति शालिनी की शूटिंग कर रहा हूं। कहानी और किरदार के बारे में अभी ज्यादा नहीं बता पाऊंगा। मगर इतना जरूर कहूंगा कि छावा के बाद प्रॉडक्शन हाउस के साथ यह मेरा दूसरा काम है, जो मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस फिल्म के डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार हैं, और उनके साथ काम करने में बहुत मजा आ रहा है। हम लोग ग्वालियर और उसके आसपास की रियल लोकेशन्स पर शूट कर रहे हैं। काफी इंटीरियर्स में जाकर शूट हो रहा है, जिससे फिल्म में एक ऑथेंटिक फील आएगी।' हाल ही में विनीत वेब सीरीज मटका किंग में डॉन दाऊद के छोटे -से अपीयरेंस में भी सराहे गए। चर्चा है कि 'मटका किंग पार्ट 2' में उनका काफी लंबा-चौड़ा रोल है। वे कहते हैं, 'आगे का मैं कुछ खुलासा नहीं कर सकता, मगर हां इस सीरीज में मेरी भूमिका के बाद लोग मेरे रोल की तुलना 'धुरंधर' के बड़ा साब से जरूर करने लगे हैं। मैं बहुत खुश हूं, क्योंकि इस सीरीज से पहले मैं हैलो बच्चों में एक टीचर की भूमिका की थी।'

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव एवं नई दिल्ली

असली आज़ादी

गुरुवार 28, मई 2026, दमण। | 8

दामिनी वुमेंस फाउंडेशन की अध्यक्षा सिंपल काटेला की अध्यक्षता में एसआईआर जागरूकता एवं मार्गदर्शन बैठक आयोजित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 मई। दामिनी वुमेंस फाउंडेशन की अध्यक्षा सिंपल काटेला की अध्यक्षता में एसआईआर जागरूकता एवं मार्गदर्शन बैठक आयोजित की गई। आज कार्यालय में एसआईआर विषय पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता एवं मार्गदर्शन बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोडल ऑफिसर, रक्फ़रश्एएढ ए’ी्३ड्ड्ल ऊेस्त्रं१ ३ेंह्ल३ द्वारा उपस्थित महिलाओं एवं कार्यकर्ताओं को एसआईआर प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान बताया गया कि एसआईआर अर्थात रस्त्रीूं’ क्लड्ढ३ेंह्ल२५ी फी५ि२ड्ड्ल यानी मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण है, जिसके माध्यम से चुनाव आयोग मतदाता सूची को अधिक सटीक, विश्वसनीय एवं अद्यतन बनाता है। बैठक में जानकारी दी गई कि एसआईआर प्रक्रिया नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत एवं डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हटाने, स्थानांतरित मतदाताओं की जानकारी अपडेट करने तथा नाम, पता एवं आयु संबंधी त्रुटियों को सुधारने के लिए आवश्यक है। नोडल ऑफिसर द्वारा घर-घर सत्यापन, दस्तावेज जांच, प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशन, दावा एवं आपत्ति प्रक्रिया तथा अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन की पूरी प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई। इस अवसर पर नागरिकों से अपील की गई कि वे मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें, आवश्यक सुधार करवाएं, 18 वर्ष पूर्ण कर चुके नए मतदाताओं का पंजीकरण करवाएं तथा बीएलओ के साथ सहयोग करें। बैठक में संगठन की महिला टीम एवं कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

यूके में रहने वाले दीव के मूल निवासी मुस्लिमों ने मनाया बकरी ईद का त्यौहार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, लंदन 27 मई। भारत से सात समुंदर के पार यूके के लंदन शहर में बसे दीव के मूल निवासी मुस्लिम बिरादरों ने आज बकरी ईद का त्यौहार मनाया। सभी ने एक दूसरे को ईद मुबारक की बधाईयां दी। गौरतलब है कि लंदन और लेस्टर शहर में बडी संख्या में दीव-दमण के नागरिक निवास करते हैं। यह नागरिक अपने-अपने त्यौहारों को एक साथ हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं।

दीव में गौ सम्मान अह्वान अभियान के तहत हुई बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 27 मई। गौ सम्मान के उद्देश्य से दीव के गायत्री मंदिर में एक बैठक आयोजित की गई। वर्तमान में गौ सम्मान के उद्देश्य से पूरे देश में गौ रक्षकों द्वारा गौ सम्मान अभियान चलाया जा रहा है। इस बैठक में दीव के गौ रक्षक, गौशाला संचालक, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, वैदिक चैरिटेबल ट्रस्ट, दीव का जयत समूह, गायत्री परिवार, दुर्गा वाहिनी आदि उपस्थित थे। इस बैठक में दिल्ली से स्वामी गोपालचार्य गोपाल नंदजी सरस्वती महाराज उत्तर काशी और गोवा, दमण, दीव और दादरा नगर हवेली के लिए इस अभियान के राज्य प्रभारी कुलदीप गोपाल भी उपस्थित थे। उन्होंने गौ माता के सम्मान और सनातन धर्म के लिए एक टीम के रूप में इस अभियान में भाग लिया है और अभियान को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक गौ माता का सम्मान करने के उद्देश्य से लोगों को स्वस्थ रहने और गौ माता की रक्षा और संरक्षण के बारे में पूर्ण मार्गदर्शन दिया। 6 जून को हजारों लोग गौ सम्मान अभियान के तहत दीव कलेक्टर को आवेदन जमा करने के लिए एकत्रित हुए और इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इस बैठक को सफल बनाने के लिए गौ रक्षक समिति दीव के निदेशक प्रियांक लालजी और किशोर कापडिया ने अथक प्रयास किया।

दीव पुलिस विभाग ने नागरिकों और पर्यटकों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और महफूज माहौल सुनिश्चित करने के लिए किया फ्लैग मार्च

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 27 मई। चल रहे त्योहारों के मौसम के दौरान अपनाए गए निवारक सुरक्षा उपायों के हिस्से के रूप में दीव पुलिस ने निवासियों और पर्यटकों के लिए एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित और महफ़ूज़ माहौल सुनिश्चित करने के लिए पूरे जिले में निगरानी और क्षेत्र पर नियंत्रण के अभ्यास तेज कर दिए हैं। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और संवेदनशील तथा भीड़भाड़ वाली जगहों पर पुलिस की मौजूदगी व निगरानी बढ़ाने पर विशेष ज़ोर दिया जा रहा है। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में और त्योहारों के मौसम के दौरान दीव को एक पर्यटक-अनुकूल, सुरक्षित और महफूज गंतव्य बनाने के उद्देश्य से दीव पुलिस विभाग ने दीव में एक फ्लैग मार्च का आयोजन किया। इसका मकसद शांतिपूर्ण समारोहों के लिए पुलिस की तत्परता, भीड़ का प्रभावी प्रबंधन और किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना था। फ्लैग मार्च की शुरुआत खुकरी वेसल से हुई और इसका समापन 'जम्पा गेट' पर हुआ। इस दौरान इसने शहर के महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों, बाजारों और अन्य प्रमुख क्षेत्रों को कवर किया। फ्लैग मार्च का उद्देश्य नागरिकों और आगंतुकों के मन में सुरक्षा और विश्वास की भावना जगाना था। साथ ही पूरे जिले में शांति, सद्भाव और जन जागरूकता को बढ़ावा देना था। पुलिस विभाग, भारतीय रिज़र्व बटालियन और होम गाड्र्स के जवानों ने इस मार्च में सक्रिय रूप से भाग लिया। दीव पुलिस विभाग दीव जिले के सभी निवासियों और आगंतुकों की सुरक्षा, हिफाज़त और भलाई सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

एनवीबीडीसीपी ने एसएमसी क्षेत्र के वेक्टर ब्रीडिंग चेकर्स को दिया प्रशिक्षण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 27 मई। सिलवासा नगरपालिका क्षेत्र के वेक्टर ब्रीडिंग चेकर्स के लिए प्रशिक्षण, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम विभाग द्वारा सिलवासा नगरपालिका के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया। डॉ. गणेश वर्णेकर राज्य कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम विभाग, दादरा नगर हवेली और दमण-दीव, डॉ. विक्रम खान (राज्य कार्यक्रम अधिकारी, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम), डॉ. नोविन बिस्वास (राज्य महामारी विशेषज्ञ), और डॉ. वीरेंद्र सोलंकी (स्वास्थ्य अधिकारी, सिलवासा नगर निगम) ने लार्वा सर्वेक्षण, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान, लार्वानाशक (larvicide) के उपयोग के तरीके, बुखार सर्वेक्षण, जागरूकता गतिविधियों आदि के संबंध में प्रशिक्षण दिया। इस प्रशिक्षण सत्र में मगनभाई (मलेरिया निरीक्षक), कीर्तिभाई (फाइलेरिया निरीक्षक), दक्षा (पर्यवेक्षक) और गुलाबभाई उपस्थित थे।

दादरा नगर हवेली और दमण-दीव क्रिकेट एसोसिएशन आयोजित करेगा फ्री हाई परफॉर्मेंस क्रिकेट कैंप

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 मई। दादरा नगर हवेली और दमण-दीव क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए एक विशेष क्रिकेट कैंप का आयोजन लैक्मी 360 क्रिकेट ग्राउंड वरकुंड में 29 जून से 7 जून तक किया जा रहा है। कैंप का समय सुबह 7:30 बजे से 9:30 बजे तक रहेगा। यह हाई परफॉर्मेंस कैंप यूटी दादरा नगर हवेली, दमन और दीव क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष किशोर कली (केसूर गोवन) के मार्गदर्शन और सोच के तहत आयोजित किया जा रहा है, ताकि दमण, दीव और दादरा नगर हवेली के युवा खिलाड़ियों को बेहतर क्रिकेट प्रशिक्षण और अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिल सके।इस कैंप में खिलाड़ियों की फिटनेस, मैच समझ, बल्लेबाज़ी, गेंदबाज़ी, फील्डिंग और पूरे खेल प्रदर्शन पर प्रोफेशनल तरीके से ट्रेनिंग दी जाएगी। कैंप का आयोजन लैक्मी 360 क्रिकेट ग्राउंड, वरकुंड पर 29 जून से 7 जून तक सुबह 7:30 बजे से 9:30 बजे तक रहेगा। सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए खुला है। कोच तुषार यादव है। सभी इच्छुक क्रिकेट खिलाड़ियों से अनुरोध है कि इस शानदार अवसर का लाभ उठाए।

TORRENT POWER | DNHDD

बिजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर कोर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया हैं । कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं । हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरु करने के सभी प्रयास किए जाएंगे ।

दिनांक	सबस्टेशन	क्षेत्र का नाम
३०/०५/२०२६ शनिवार सुबह: ९ :०० से शाम ५ :००	खडोली	६६ केवी उपभोक्ता: : सनाथन, DNH स्पिनर्स
०१/०६/२०२६ सोमवार सुबह: ९ :०० से शाम ६ :००	कला ६६/११ केवी कला एसएस से जुड़े सभी उपभोक्ता	६६/११ केवी कला एसएस क्षेत्र के सभी गांव/क्षेत्र. एक्सप्रेस फीडर: ६६/११ केवी कला सबस्टेशन के सभी एक्सप्रेस फीडर ६६केवी उपभोक्ता: भूमि टेक्स ईन्ड. प्रा. लि.
	वेलुगाम ६६/११ केवी वेलुगाम एसएस से जुड़े सभी उपभोक्ता	६६/११ केवी वेलुगाम एसएस क्षेत्र के सभी गांव/क्षेत्र. एक्सप्रेस फीडर: ६६/११ केवी वेलुगाम सबस्टेशन के सभी एक्सप्रेस फीडर ६६ केवी उपभोक्ता: बीकेलोन वेलुगाम, सनाथन वेलुगाम, डीडेव प्लास्टिक्स (कल्पना)

असुविधा के लिए खेद है।

दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव पावर डिस्ट्रीब्युशन कोर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा वरिष्ठ एवं दिव्यांग नागरिकों के लिए विभिन्न बिजली संबंधित सेवाए, जिनको घर बैठे कॉल करके प्राप्त किया जा सकता है।

- बिजली बिल में नाम बदलना
- बिजली कनेक्शन के स्थान में परिवर्तन
- बिजली आपूर्ति में सुधार
- नए बिजली कनेक्शन के लिए
- बिजली बिलों का भुगतान

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित

24/7 Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551

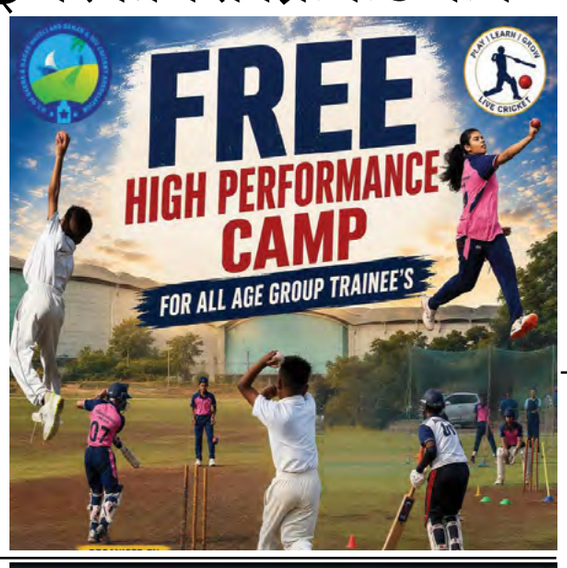

connect.torrentpower.com

connect.dnhdd@torrentpower.com

(पेज 1 का शेष समाचार)

दमण प्रशासन, निर्वाचन विभाग ने एसआईआर जागरूकता कार्यक्रम...

आवश्यक दस्तावेजों में केंद्र/राज्य सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के नियमित कर्मचारी/पेंशनभोगी हेतु जारी पहचान पत्र अथवा पेंशन भुगतान आदेश, 01 जुलाई 1987 से पूर्व जारी पहचान पत्र/प्रमाणपत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मैट्रिकुलेशन अथवा शैक्षिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी/एससी/एसटी अथवा अन्य जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, परिवार रजिस्टर तथा सरकार द्वारा जारी भूमि/मकान आवंटन प्रमाण पत्र शामिल हैं। निर्वाचन विभाग द्वारा मतदाताओं की सहायता हेतु प्रत्येक रविवार को बूथ डे घोषित किया गया है। इस दौरान संबंधित बूथों पर प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक तथा दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक अधिकारियों एवं बूथ स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति रहेगी, जहां मतदाता अपने नाम की जांच, संशोधन एवं अन्य निर्वाचन संबंधी सहायता प्राप्त कर सकेंगे। सभी मतदाताओं से विशेष अनुरोध किया गया है कि जब बूथ स्तरीय अधिकारी उनके घर आएं, तो वे पूर्ण सहयोग प्रदान करें, ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। यह पुनरीक्षण प्रक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अतः दमण के सभी नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपेक्षा की गई है। मतदाताओं की सहायता हेतु दमण निर्वाचन विभाग द्वारा कलेक्टर कार्यालय, मोटी दमण में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त टोल फ्री नंबर 1950 एवं 18002330530 के माध्यम से भी निर्वाचन विभाग से संपर्क किया जा सकता है।

भीमपोर ग्राम पंचायत में कानूनी साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन आज

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 मई। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन के समन्वय से 28 मई 2026 को शाम 4:45 बजे भीमपोर ग्राम पंचायत में कानूनी साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। एडवोकेट मयंक पटेल अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के स्वास्थ्य अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं के लिए संवाद कानूनी जागरूकता, स्किल इंडिया मिशन, प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल कौशल प्रशिक्षण, पीएम वन धन योजना, आपदा पीड़ितों के लिए कानूनी के बारे में जानकारी देंगे। एडवोकेट मानसी परमार पीड़ित मुआवजा योजना और राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा छात्रों के लिए चलाई जा रही विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में कानूनी जानकारी देगी। वकील पूनम देसाई नालसा (मानसिक रोग और बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों को कानूनी सेवाएं) योजना 2004 के बारे में जानकारी देगी।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)